भाद्रपद कृष्ण पक्ष चतुर्दशी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 49 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

22 अगस्त 2025 शुक्रवार

आज का मौसम

26 अधिकतम

23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

आवारा कुत्तों के मामले में सुप्रीम फैसला

शेल्टर नहीं नसबंदी, खूंखार व बीमार कुत्ते 'कैद' रहेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने आज सड़कों पर आवारा कुत्तों के मुद्दे पर अहम फैसला सुना? दिया। इसके तहत कोर्ट ने 11 अगस्त के उस निर्देश पर रोक लगा दी है जिसमें कहा गया था कि जिन आवारा कुत्तों को पकड़ा गया है उन्हें छोड़ा नहीं जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा- जिन कुत्तों को पकड़ा गया है उन्हें नसबंदी और टीकाकरण के बाद ही छोड़ा जाना चाहिए, सिवाय उन कुत्तों के जो रेबीज से संक्रमित हैं या जिनका व्यवहार आक्रामक हैं। इसके साथ ही अब सार्वजनिक जगहों पर कुत्तों को खाना खिलाना मना होगा। कोर्ट ने कहा कि इसके लिए अलग से डेडिकेटेड फीडिंग जोन बनाए जाएं। इसके लिये एनजीओ को 25-25 हजार रूपए दिये जाएंगे। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि कुत्तों को पकड़ने से रोकने पर जुर्माना भी लगाया जाएगा।

कोर्ट ने आज कहा है कि इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक नीति बननी चाहिए,इसीलिए हमने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाया है। देश के बाकी हाईकोर्ट में जहां भी मामले लंबित हैं, उन्हें सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर किया जाए। अब अगली सुनवाई आठ हफ्ते बाद अक्टूबर के लिए लिस्ट कर दी है। इससे पहले 14 अगस्त को जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया

की स्पेशल बेंच ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। हालांकि दो जजों की बेंच ने 11 अगस्त को डॉग बाइट्स और रेबीज के मामलों को देखते हुए सभी आवारा कुत्तों को 8 हफ्तों में दिल्ली-एनसीआर के आवासीय क्षेत्रों से हटाकर शेल्टर होम में भेजने का आदेश दिया था तथा इस काम में बाधा डालने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी थी। बाद में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का बड़े स्तर पर विरोध भी हुआ तब को चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कॉन्फ्रेंस ऑफ ह्यूमन राइट्स (इंडिया) एनजीओ की याचिका पर कहा था कि वह खुद इस मामले पर गौर करेंगे तथा मामला 3 जजों की स्पेशल बेंच को सौंप दिया था।

मेनका गांधी ने उठाए थे सवाल

मेनका गांधी ने भी सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था, दिल्ली में ही तीन लाख आवारा कुत्ते हैं। उन सभी को पकड़कर शेल्टर होम भिजवाया जाएगा। उनको सड़कों से हटाने के लिए दिल्ली सरकार को 1 हजार या 2 हजार शेल्टर होम बनाने होंगे। क्योंकि ज्यादा कुत्तों को एक साथ नहीं रखा जा सकता

इधर अनिरुध्दाचार्य बोले- लिव इन में कुत्ते बिल्ली...

देशभर में आवारा कुत्तों के मामले में बहस व सुप्रीम फैसले के बीच कथावाचक अनिरुध्दाचार्य का बयान विवाद में आ गया है। इससे पहले लड़कियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर विवादों में घिरे वृंदावन के इस कथा वाचक ने अब लिव इन और कुत्ते-बिल्लियों को लेकर कुछ ऐसा कहा है, जिस पर लोगों कई तरह की प्रतिक्रया दे रहे हैं। कथावाचक ने कहा है कि लिव इन में कुत्ते-बिल्ली रहते हैं हमारे देश के कुत्ते हजारों साल से लिव इन में ही रहते हैं. ये लिव इन कुत्तों का कल्चर है।

बिहार : मोदी ने छठी बार पहुंचकर दी सौगातें, राहुल गांधी की यात्रा जारी

नीतीश बोले - हमें न भूलना

गया, एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की बिहार में जारी वोटर अधिकार यात्रा के बीच आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बिहार पहुंचे हैं। उन्होंने गयाजी से बिहार के लिए 13हजार करोड़ की योजनाओं की शुरुआत की। मगध यूनिवर्सिटी के कैंपस में कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा- यहां के लोगों की बड़ी इच्छा थी कि गया को गयाजी कहा जाए। मैं बिहार सरकार के फैसले का अभिनंदन करता हूं। उन्होंने नये प्रस्तावित कानून का भी उल्लेख किया और कहा कि इसके दायरे में पीएम-सीएम, मंत्री सभी आएंगे। मोदी ने बेगूसराय में बने एशिया के दूसरे सबसे चौड़े 6 लेन औंटा-सिमरिया ब्रिज का वर्चुअल उद्घाटन किया व क्सर थर्मल पावर प्लांट समेत कई विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इससे पहले नीतीश कुमार ने कहा- हमने आपके लिए काम किया है, भूलिएगा नहीं। उल्लेखनीय है कि पीएम मोदी का इस वर्ष में यह छठा बिहार दौरा है।

उधर कांग्रेस की वोटर अधिकार यात्रा का भी आज छठा

दिन है। राहुल का काफिला मुंगेर के जमालपुर में हैं जहां उनके साथ राजद नेता तेजस्वी यादव और वीआईपी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी भी हैं। तीनों का बड़ा रोड शो हुआ। यहां से यात्रा सुल्तानगंज की ओर बढ़ गई। इसके बाद राहुल गांधी भागलपुर रवाना होंगे।

ट्रंप का पैंतरा : पहले आपस में बात कर लें पुतिन व जेलेंस्की

वाशिंगटन. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब यूक्रेन और रूस के बीच मध्यस्थता से पीछे हट रहे हैं। ऐसा नहीं है कि वह अब इसमें हिस्सा नहीं लेंगे, बल्कि उन्होंने युद्ध को खत्म करने के लिए एक अनोखा रास्ता सुझाया है। ट्रंप ने कहा है कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच तभी मुलाकात करवाएंगे, जब दोनों पहले आपस में मिल लेंगे। ट्रंप का कहना है, 'मैं पहले देखना चाहता हूं कि इन दोनों की मुलाकात में क्या होता है।' यह बात उन्होंने मंगलवार को मार्क लेविन के टॉक शो में कही। ट्रंप ने पिछले साल चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया था कि वह 24 घंटे में यूक्रेन युद्ध खत्म कर देंगे, लेकिन अब वह मान रहे हैं कि यह काम उतना आसान नहीं है। हाल ही में व्हाइट हाउस में जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं के साथ बैठक के बाद ट्रंप ने रूस-यूक्रेन के बीच द्विपक्षीय वार्ता की प्रक्रिया शुरू करने की बात कही, लेकिन अभी तक इस मुलाकात कि कोई ठोस प्रगति नहीं दिखी है। वाइट हाउस का कहना है कि ट्रंप और उनकी सुरक्षा टीम रूस और यूक्रेन के अधिकारियों से बातचीत कर रही है, लेकिन इसे सार्वजनिक रूप से नहीं बताया जाएगा।

अगले महीने जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में लग जाएगी अंतिम मुहर

गेम चेंजर साबित हो सकता है जनता को राहत देने वाला नया टैक्स सुधार

नई दिल्ली , दोपहर मेट्रो।

आठ साल पहले लागू हुए गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) में अब तक के सबसे बड़े सुधार का रास्ता साफ हो जाने से देश के मध्यम और गरीब तबके को बड़ी राहत मिलने की सम्भावना है। सरकार के जीएसटी बदलाव सम्बन्धी प्रस्ताव को मंत्री समूह ने मंजूरी दे दी है और माना जा रहा है कि इससे मोदी सरकार दोहरा निशाना साधना चाहती है। पहला यह कि आम जरुरत की वस्तुओं पर से टैक्स का भार कम कर जनता को रहत दें और दूसरा, भारी-भरकम अमेरिकी टैरिफ की चुनौतियों में निपटा जाए। इस राह पर बढ़ने के लिए सरकार कितनी तत्पर है इसे घटनाक्रम की तेजी से समझा जा सकता है। स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने ने घोषणा की और एक सप्ताह से भी कम समय में सरकार ने प्रस्ताव तैयार कर मंत्री समूह की मंजूरी ले ली। अब अगले महीने होने वाली मीटिंग में जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में इस पर अंतिम मुहर लग जाएगी।

2017 में जीएसटी लागू होने के बाद से इसमें लगभग 1200 संशोधन किये गए हैं लेकिन इस बार इसे गेम चेंजर कि तरह देखा जा रहा है। इस प्रस्ताव के तहत मौजूदा चार स्लैब (5, 12, 18 और 28

फीसदी) को खत्म करके इसे सिर्फ दो स्लैब 5 फीसदी और 18 फीसदी में बदला जा रहा है।सरकार का मानना है कि इससे टैक्स सिस्टम आसान होगा और टैक्स चोरी घटेगी। आम आदमी की जरूरत के सामान और सेवाओं पर 5 फीसदी टैक्स लगेगा। इससे जो चीजें सस्ती होंगी उनमें कपड़ा, रेडीमेड गारमेंट्स, जूते-चप्पल, प्रिंटिंग, स्टेशनरी, कई प्रोसेस्ड फूड आइटम्स और होम अप्लाइंसेस की कुछ केटेगरी शामिल हैं। 28 से 18 फीसदी में आने वाले सामान में टू व्हीलर और छोटी कारें, सीमेंट और बिल्डिंग मटेरियल, फ्रिज , टीवी आदि रहेंगे। इसके अलावा जिन्हें सिन गुड्स कहा जाता है, यानी शराब, तंबाकू, ड्रग्स, जुआ, सॉफ्ट ड्रिंक, फास्ट फूड, कॉफी, शुगर जैसी चीजों पर 40 फीसदी टैक्स जारी रहेगा। इस टैक्स का मकसद इन चीजों की खपत कम करना और लोगों को इससे होने वाले नुकसान से बचाना है।

आम ग्राहक को मिले बीमा सेक्टर में सुधार का लाभ

नए प्रस्तावों के अलावा जो सुझाव सरकार को मिले हैं इनमे सबसे महत्वपूर्ण बीमा सेक्टर का है। इसके अनुसार बीमा पर टैक्स शून्य कर देना चाहिए। लेकिन सरकार चाहती है कि ऐसा तभी किया जा सकता है जब पूरा इसका लाभ अंतिम छोर पर ग्राहक तक पहुंचे। कम्पनियाँ ही इसका फायदा न उठा लें।

आत्मनिर्भरता से प्रगति का रास्ता

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का एक लाइन का वक्तव्य अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों का उद्देश्य भारत को आत्मनिर्भर बनाना है बहुत कुछ कहता है। दरअसल, सरकार चाहती है कि भारत में छोटे और मंझोले उद्योगों के एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा दिया जाए। कच्चा माल सस्ता होने से निर्माण लागत घटेगी और हमारे उद्योग प्राइस वार में अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में बेहतर कर सकेंगे। इससे ट्रम्प टैरिफ से होने वाले संभावित नुकसान कि भरपाई हो सकेगी। भारतीय सामान की रूस और चीन के अलावा अन्य यूरोपीय देशों में भी खपत बढ़ेगी। सस्ते निर्माण के साथ देश में ही मौजूद बड़े बाजार की जरूरतें भी पूरी होंगी। जाहिर है, देश के आम लोगों को सस्ता सामान उपलब्ध होने से उन्हें भी राहत मिलेगी। उधर , एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट कहती है कि नया जीएसटी प्रस्ताव लागू होने से सालाना लगभग 85 हज़ार करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हो सकता है। इसकी भरपाई सरकार को विलासिता की वस्तुओं पर टैक्स बढाकर करनी होगी। साथ ही निर्यात के लिए बेहतर अवसर तलाशने होंगे।

संसद भवन सुरक्षा में सेंध, दीवार फांदकर पहुंचा युवक पकड़ा गया

नईदिल्ली, एजेंसी

संसद भवन की सुरक्षा में सुबह एक बार फिर सेंध लगी है। एक व्यक्ति दीवार कूदकर संसद परिसर में पहुंच गया। हालांकि,सुरक्षाकर्मियों ने उसे तुरंत पकड़ लिया है,आरोपी संसद भवन में कैसे घुसा, इसकी भी जांच हो रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी संसद भवन परिसर से लगे एक पेड़ पर चढ़कर संसद भवन की दीवार पर पहुंचा था, फिर अंदर कूदकर गरूड़ द्वार की तरफ बढ रहा था, वह उप्र का बताया जा रहा है और खाली हाथ था और उसके पास कोई बैग आदि नहीं मिला। इससे पहले तीन दिसंबर 23 को भी संसद सुरक्षा में सेंध का मामला सामने आया था। तब सदन की कार्यवाही के दौरान कुछ लड़के संसद भवन में घुस गए थे। इस बड़ी चूक को देखते हुए संसद भवन की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ को दी गई थी। इससे पहले दिल्ली पुलिस इस जिम्मेदारी को निभा रही थी।

मसूद को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने दिया स्टे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी की मध्य सीट से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद को सुप्रीम कोर्ट से आज बड़ी राहत मिली है। पिछले दिनों मप्र हाईकोर्ट ने मसूद के इंदिरा प्रियदर्शिनी कॉलेज के मामले में एफआईआर दर्ज करने और एसआईटी जांच के जो आदेश दिए थे, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्टे कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेके माहेश्वरी की बैंच में मसूद की याचिका पर सुनवाई हुई। मसूद की ओर से सुप्रीम कोर्ट में सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल और विवेक तन्खा, वरुण तन्खा ने पक्ष रखा।

विवेक तन्खा ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने स्टे कर दिया है। इससे पहले सोमवार को हाईकोर्ट ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए कॉलेज की मान्यता प्राप्त करने के मामले में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे। इस तारतम्य में कोहेफिजा थाने में केस दर्ज हुआ था और जांच के लिये एसआईटी बना दी गई थी।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

विधानसभा में पारित विधेयकों पर राज्यपाल की 'निष्क्रियता' का मामला

संवैधानिक पदाधिकारी कर्तव्य नहीं निभाएं तो क्या अदालते हाथ पर हाथ धरे बैठे रहें

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि अगर संवैधानिक पदाधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन न करें या राज्य विधानसभाओं में पारित विधेयकों पर राज्यपाल की ओर से निष्क्रियता दिखाई जाए, तो क्या संवैधानिक अदालतें हाथ पर हाथ धरे रह सकती हैं। सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की, जब केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर कुछ राज्यपाल विधानसभा में पारित विधेयकों को लंबित रखते हैं, तो न्यायिक समाधान के बजाय राज्यों को राजनीतिक समाधान तलाशने चाहिए। संविधान पीठ में सीजेआई के अलावा जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल हैं। पीठ राष्ट्रपति के उस संदर्भ पर सुनवाई कर रही है, जिसके तहत उन्होंने यह जानने का प्रयास किया है कि क्या अदालतें राज्य विधानसभाओं में पारित विधेयकों पर विचार करने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समय-सीमा निर्धारित कर सकती हैं।

मेहता ने कुछ 'लचीलापन' अपनाने का आह्वान करते हुए कहा, ÷मान लीजिए कि राज्यपाल विधेयक को रोके बैठे हैं, तो ऐसे में कुछ राजनीतिक समाधान हैं, जिन्हें अपनाया जा सकता है। हर जगह ऐसा नहीं होता कि मुख्यमंत्री सीधे अदालत पहुंच जाएं। कई उदाहरण हैं, जहां बातचीत होती है, मुख्यमंत्री राज्यपाल से मिलते हैं, वह प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से मिलते हैं और समाधान निकाल लिये जाते हैं।

उन्होंने कहा कि गतिरोध सुलझाने के लिए कई बार टेलीफोन पर बातचीत की गई।पिछले कई दशकों से, अगर कोई विवाद उत्पन्न होता है, तो उसे सुलझाने के लिए यही प्रक्रिया अपनाई जाती रही है। प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल, राष्ट्रपति से मिलते हैं और कई बार कोई मध्य मार्ग भी निकाल लिया जाता है।÷ उन्होंने राज्य सरकार और केंद्र के प्रतिनिधि राज्यपाल के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए दूरदर्शिता और राजनीतिक परिपक्वता अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

फाइल फोटो

सड़कों पर भरा पानी

भोपाल। राजधानी में कल रात से हो रही लगातार बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। शहर के कई इलाकों में बारिश का पानी सड़कों पर भर गया है जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भानपुर छोला दशहरा मैदान रोड, नवजीवन कॉलोनी, छोला अंडर ब्रिज और भानपुर राम मंदिर के पास की सड़कें पानी में डूब गई हैं। बारिश का पानी भरने से वाहन चालकों को आवाजाही में दिक्कत हो रही है, वहीं पैदल राहगीरों को भी कीचड़ और गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। छोला अंडर ब्रिज पर पानी भर जाने से आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम की लापरवाही के कारण नालियों की साफ-सफाई समय पर नहीं की जाती, जिसकी वजह से हल्की बारिश में भी सड़कें तालाब का रूप ले लेती हैं।

मिडिल-प्राइमरी स्कूलों में 29 को होगा शाला प्रबंधन समितियों का गठन

प्रदेश के सभी जिलों को आरएसके ने जारी किए एसएमसी गठन के दिशा-निर्देश

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रदेश की सभी सरकारी और अनुदान प्राप्त प्राथमिक, माध्यमिक एवं कक्षा 1 से 8 तक संचालित संयुक्त माध्यमिक शालाओं में शाला प्रबंधन समितियों का गठन 29 अगस्त को किया जायेगा। संचालक राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिलों के कलेक्टरों को एसएमसी गठन के लिये समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत निर्देश पत्र जारी किया है। उल्लेखनीय है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सभी शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों के बेहतर प्रबंधन एवं शैक्षिक गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए शाला प्रबंधन समितियों का गठन दो वर्षीय कार्यकाल के लिये किया जाता है। समितियां बच्चों के शाला नामांकन, नियमित उपस्थिति, गुणवत्ता युक्त शिक्षा और अधोसंरचना कार्य के साथ बच्चों के बहुआयामी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यकाल 2 शैक्षणिक सत्रों के लिए निर्धारित होगा?:? शाला प्रबंधन समितियों में, शाला में अध्ययनरत् बच्चों के 14 पालक, शाला के प्रधान शिक्षक, वरिष्ठतम् महिला शिक्षिका तथा स्थानीय वार्ड के पंच/पार्षद तथा स्थानीय निकाय के सरपंच/अध्यक्ष/महापौर द्वारा नामित अन्य वार्ड की एक महिला पंच/पार्षद के रुप में निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी शामिल रहते हैं। इन समितियों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चयन विद्यार्थियों के अभिभावकों में से किया जाता है। वहीं शाला के प्रधान शिक्षक समिति के सदस्य सचिव होते हैं।

फाइल फोटो

स्थानीय प्रबंधन के अधिकार भी इन समितियों को सौंपे

शासन द्वारा शाला के स्थानीय प्रबंधन के अधिकार भी इन समितियों को सौंपे गए हैं। प्रदेश के लगभग 83 हज़ार प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों में आगामी 29 अगस्त 2025 को गठित होने वाली इन समितियों का कार्यकाल, आगामी 2 शैक्षणिक सत्रों के लिए निर्धारित होगा।

डेढ़ महीने से स्टाक में नहीं थीं यलो फीवर की वैक्सीन

अंतत: एम्स में आई वैक्सीन खत्म होंगी वीजा की दिक्कतें

भोपाल, दोहपर मेट्रो

विदेश यात्रा की तैयारी पर वैक्सीन का ब्रेक अब हट रहा है। अब एजुकेशन, बिजनेस और टूरिज्म वीजा मिलने में लोगों को परेशानी नहीं होगी। इसके लिये 42 देशों की यात्रा से पहले जरूरी वैक्सीनेशन एम्स भोपाल में दोबारा शुरू हो गया है। वीजा के लिए इसका सर्टिफिकेट जरूरी होता है। इसलिये कई लोग इस सुविधा ने नहीं मिलने से परेशान हो रहे थे। दरअसल, यह वैक्सीनेशन यलो फीवर के लिए होता है। अफ्रीका और लेटिन अमेरिका के कई हिस्सों में यलो फीवर की बिमारी पाई जाती है। ऐसे में यहां यात्रा के लिए वैक्सीनेशन जरूरी होता है।

दरअसल,एम्स भोपाल प्रदेश का एकमात्र यलो फीवर वैक्सीनेशन सेंटर है, जहां हर महीने करीब 200 से 250 लोग वैक्सीन लगवाने आते हैं। मगर स्टाक नहीं होने से यह काम बंद था। अब यलो फीवर वैक्सीन का स्टॉक करीब डेढ़ महीने बाद पहुंचा है। एम्स ने यह जानकारी खुद अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया पर दी है। डॉक्टरों के मुताबिक, कोविड-19 महामारी ने यलो फीवर वैक्सीन के उत्पादन और आपूर्ति को भी प्रभावित किया है। यह वैक्सीन ब्राजील, फ्रांस और रूस में बनती है और वहां से विश्व स्वास्थ्य संगठन के जरिए भारत सरकार को दी जाती है। भारत आने के बाद वैक्सीन की खेप हिमाचल प्रदेश के कसौली में केंद्रीय अनुसंधान संस्थान (सीआरआई) जाती है, जहां गुणवत्ता जांच के बाद देशभर के सेंटरों में आपूर्ति की जाती है। गौरतलब है कि भारत में यलो फीवर टीकाकरण के लिए कुल 63 अधिकृत केंद्र हैं। लेकिन मध्यप्रदेश में केवल एम्स भोपाल ही यह सुविधा देता है। यहां वैक्सीन दोबारा आने से प्रदेश के यात्रियों को देश के अन्य राज्यों के सेंटरों का रुख नहीं करना पड़ेगा, जिससे समय और खर्च दोनों बचेंगे।

मंत्रालय मान गया तो स्टेशन पर मुसाफिरों को 'पहचानेंगे' कैमरे

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी में एयरपोर्ट की तर्ज पर अब रेलवे भी यात्रियों के सफर को और सुविधाजनक व सुरक्षित बनाने की दिशा में काम हो रहा है। इसके लिये भोपाल रेलवे स्टेशन पर 250 से ज्यादा हाई रिजोल्यूशन कैमरे लगाने की योजना बनी है।

क्राउड मैनेजमेंट प्लान के तहत यह व्यवस्था बनाने के लिये फिलहाल रेल मंत्रालय की हरी झंडी का इंतजार किया जा रहा है। ये कैमरे फेशियल रिकग्निशन टेक्नोलॉजी पर काम करेंगे, यानि चेहरा पहचानेंगे। इसके बाद यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए न टिकट दिखाना पड़ेगी, न आईडी। उनका चेहरा ही पहचान बन जाएगा। रेल अधिकारियों के मुताबिक दिल्ली और मुंबई के स्टेशनों पर इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया था। इस तकनीक से भीड़ प्रबंधन भी बेहतर हुआ और टिकट की फर्जी बुकिंग और असुरक्षित यात्रियों पर भी अंकुश लगाने में सफलता मिली। बताया जाता है कि यह यात्रियों को एक बार टिकट बुकिंग के वक्त रेलवे के पोर्टल पर अपना चेहरा व पहचान संबंधी जानकारी अपलोड करनी होगी। ये टिकट बुकिंग सिस्टम से लिंक हो जाएगी। इसके बाद जब यात्री स्टेशन पहुंचेगा तो ये हाई-रेजोल्यूशन कैमरे यात्रियों के चेहरे को स्कैन कर टिकट बुकिंग डेटा से उनका सत्यापन करेंगे। सेकंडों में ये प्रक्रिया पूरी हो जाएगी और बिना किसी मैन्युअल जांच के यात्री प्लेटफॉर्म या वेटिंग एरिया में जा सकेंगे। जीआरपी के रिकॉर्ड में संदिग्ध या आपराधिक चरित्र के व्यक्तियों का डेटा भी इन कैमरों के सिस्टम से लिंक रहेगा। ऐसा कोई चेहरा सामने आते ही अलर्ट मिल जाएगा। पहले चरण में वीआईपी एंट्री और रिजर्वेशन काउंटर के पास कैमरे लगाए जाएंगे। इसके बाद सभी प्लेटफार्म और गेट पर कैमरे लगेंगे।

मछली परिवार पर एक्शन का कांग्रेस नेता ने किया स्वागत

भोपाल। कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने भोपाल के 'मछली परिवार' के अतिक्रमण ध्वस्त किये जाने की कार्रवाई पर सोशल मीडिया पर तीखा पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा है कि इस मामले में 'मछलियों' को पाल रहे और उसके टुकड़ों पर पल रहे मगरमच्छों को भी अपने ध्वस्त किया जाना चाहिए। मिश्रा ने कहा है कि राजधानी में लव और ड्रग जिहाद से जुड़े कुकर्मियों के अवैध साम्राज्य को नेस्तनाबूद करने पर एक विपक्षी विचारधारा का सिपाही होने के बावजूद भी मैं बिना किसी भय और लाभ-हानि की चिंता किए बगैर मुख्यमंत्री की इच्छाशक्ति को सेल्यूट करता हूं। मगर अफ़सोस सिर्फ़ यह है कि मुख्यमंत्री का गुणगान करने मंत्री, विधायक,सांसद, पार्टी पदाधिकारियों में इतना साहस नहीं कि वे मुख्यमंत्री के इस कदम का खुलकर समर्थन करें।

छात्रों को बैठने के लिए दी चटाई

भोपाल, दोहपर मेट्रो। हिमांशु सोशल वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों के द्वारा समय-समय पर विभिन्न विद्यालयों में बच्चों के बैठने की सुविधा के लिए विशेष अभियान चलाये जाते हैं। इस अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों के सुगम अध्ययन के लिए बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए फर्श और चटाई का वितरण किया जाता है ताकि वे आरामदायक वातावरण मे बैठकर शिक्षा प्राप्त कर सके। इसी क्रम में शुक्रवार को शासकीय प्राथमिक विद्यालय छोटा खेड़ा गोल जोड़, कोलार रोड में विद्यार्थियों के बैठने के लिए चटाई का वितरण किया गया साथ में ही बच्चों को फल आदि वितरित भी किए गए।

भोपाल में हाईकोर्ट बेंच के लिए कानून मंत्री से मिले सांसद

भोपाल, दोहपर मेट्रो

लोकसभा सांसद आलोक शर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से मुलाकात कर भोपाल में हाईकोर्ट बेंच स्थापित करने की मांग की है। शर्मा ने मंत्री को सौंपे पत्र में भोपाल जिले की जनता को अपने न्यायिक प्रकरणों के लिए जबलपुर हाईकोर्ट जाने में आने वाली व्यवहारिक कठिनाइयों का जिक्र किया है। शर्मा ने मेघवाल से आग्रह किया कि यदि हाइकोर्ट बेंच भोपाल लाने में कोई अड़चन है तो भोपाल जिले का न्यायिक क्षेत्राधिकार इंदौर से जोड़ दिया जाए, जिससे जनता को समय और अत्यधिक धन खर्च से राहत मिलेगी। केंद्रीय कानून मंत्री से चर्चा के दौरान शर्मा ने बताया कि भोपाल में हाईकोर्ट की बेंच स्थापित करने को लेकर लंबे समय से प्रयास किये जा रहे हैं। लेकिन जनता को सस्ता और सुलभ न्याय मिलने के संकल्प को पूरा करने के लिए कोई ठोस प्रयास अब तक नहीं हो सके। जबकि देश में अधिकांश प्रदेशों की राजधानियों में हाइकोर्ट की मुख्य पीठ या बेंच स्थापित है। उन्होंने कहा कि जनता व सरकार के अधिकारी न्यायिक मामलों की सुनवाई के लिए सुबह इदौर जाकर शाम तक घर वापिस आ सकते हैं। ऐसे में जनता का समय और पैसे की बर्बादी तो रुकेगी ही साथ ही सरकारी खजाने पर पड़ने वाला अत्यधिक भार भी कम हो जाएगा।

वकीलों की है पुरानी मांग: उल्लेखनीय है कि भोपाल में हाईकोर्ट बेंच लाने के लिए वकील और बार एसोशिएशन भी लंबे समय से प्रयासरत हैं। वर्तमान में भोपाल का न्यायिक क्षेत्र जबलपुर है। भोपाल से जबलपुर जाने आने में लंबा समय और पैसे की बर्बादी होती है। वकीलों को भी मामलों में पैरवी के लिए जबलपुर जाने आने में अपना अधिक समय खर्च करना पड़ता है।

मेट्रो एंकर | विश्वविद्यालय प्रेसको मॉडर्न ऑफसेट मशीन से होगा अपग्रेड

बीयू के छापाखाना में नई मशीन की आमद गोपनीयता रहेगी और आधुनिकता भी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने पूरे 50 साल के बाद अपने मुद्रणालय यानी प्रेसको मॉडर्न ऑफसेट मशीन से अपग्रेड कर दिया है। लगभग 20 लाख रुपए की इस नई प्रिंटिंग प्रेस मशीन का उद्घाटन कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार जैन ने किया। नैक से 'ए-ग्रेड' मिलने के बाद यह विश्वविद्यालय के आधुनिकीकरण की दिशा में अगला बड़ा कदम है। इस नई मशीन लगने से आंसर बुकलेट, रजिस्टर, नोटिस, फॉर्म, विभागीय प्रकाशन, पत्रिकाएं, आईडी, रिकॉर्ड बुक, लैब व प्रैक्टिकल की प्रिंट सामग्री जैसी अधिकांश जरूरतें अब कैंपस में ही पूरी हो सकेंगी। जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी तथा गुणवत्ता पर विश्वविद्यालय का सीधा नियंत्रण रहेगा।

उल्लेखनीय है कि अब तक बीयू की प्रिंटिंग प्रेस में तीन 50 साल पुरानी मशीनें थीं, जिनका उपयोग नाम मात्र का रह गया था और वे अक्सर खराब हो जाती थीं। प्रिंटिंग के ज्यादातर कामों के लिए निजी एजेंसियों पर निर्भर रहना पड़ता था। मुद्रणालय प्रभारी प्रो.पवन मिश्रा का कहना है कि नई ऑफसेट मशीन से नियमित और बड़े टर्न अराउंड वाले कार्य समय पर पूरे होंगे। आपात या अंतिम समय की जरूरतें भी कैंपस के भीतर ही पूरी हो जाएंगी।

बताया जाता है कि जो मशीन लगाई गई है उससे नोटिस, फॉर्म, रजिस्टर, आंसर बुकलेट, विभागीय पत्रिकाएं और पुस्तिकाएं जल्दी मिलेंगी। सेशन के पीक टाइम में भी आउटपुट बना रहेगा। निजी एजेंसियों पर निर्भरता घटने से मुद्रण पर होने वाला अतिरिक्त खर्च कम होगा। आंतरिक संसाधन का बेहतर उपयोग होगा तथा कागज, प्रिंट और बाइंडिंग की गुणवत्ता पर विश्वविद्यालय का सीधा नियंत्रण रहेगा। सबसे बड़ा फायदा यह भी है कि बीयू प्रशासन से जुड़े कई दस्तावेज कैंपस में ही बने और सुरक्षित संग्रहित होंगे। जिससे लीक व मिसमैच की आशंका घटेगी। प्रेस यूनिट में तकनीकी स्टाफ के कौशल का इस्तेमाल व उन्नयन होगा। संचालन की निरंतरता से आंतरिक क्षमता मजबूत होगी।

प्रश्नपत्र प्रिंट नहीं होंगे

हालांकि विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि क्रेश्चन पेपर इस मशीन पर प्रिंट नहीं किए जाएंगे। प्रश्नपत्रों के लिए अलग, सुरक्षित और सीलिंग-निगरानी युक्त सेटअप निर्धारित है ताकि किसी प्रकार की गोपनीयता भंग या पेपर लीक की आशंका न रहे। नई मशीन का इस्तेमाल केवल गैर-गोपनीय नियमित मुद्रण सामग्री के लिए किया जाएगा।

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया बर्कले के सहयोग से नवीकरणीय ऊर्जा विभाग और मैनिट के बीच एमओयू

ग्रीन एनर्जी सेक्टर में निवेश करने वाली कंपनी को मप्र सरकार देगी मदद

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि तेजी से ग्रीन एनर्जी उत्पादन करने वाले राज्य के रूप में उभरने की वजह से मप्र में अब कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां निवेश करना चाहती हैं। उद्योगों और किसानों को राज्य सरकार किफायती बिजली देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सौर ऊर्जा के ग्रीन एनर्जी विकल्पों पर राज्य सरकार आगे बढ़ रही है। जो भी कंपनी मप्र में ग्रीन एनर्जी सेक्टर में निवेश करना चाहती है, राज्य सरकार उसे मदद करने के लिए तैयार है। इस मुद्दे पर सेक्रा क्लाइमेट फाउंडेशन के वाइस प्रेसिडेंट क्ले स्ट्रेंज, सीमा पॉल और कैलिफोर्निया बर्कले यूनिवर्सिटी के इंडिया एनर्जी एंड क्लाइमेट सेंटर के सीनियर एडवाइजर मोहित भार्गव ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। दोनों संस्थाओं के साथ ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने से जुड़े कई मुद्दों पर बात हुई।

मैनिट में सीएमईटी का शुभारंभ

एसीएस मनु श्रीवास्तव ने बताया कि यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया बर्कले के सहयोग से मप्र के नवीकरणीय ऊर्जा विभाग और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) ने एक एमओयू साइन किया है। इसके तहत मैनिट में सेंटर फॉर मिशन ऑन एनर्जी ट्रांजिशन (सीएमइटी) का शुभारंभ किया गया। यह सेंटर भारत की भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए अकादमिक, नीतिगत और औद्योगिक दृष्टि से राज्य सरकार को सुझाव देगा।

अमृत योजना के कामों की शुरूआत

इससे पहले मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल के लिये अमृत योजना के तहत 582 करोड़ रुपए की पेयजल परियोजना का भूमि पूजन किया। योजना के तहत तीन साल में राजधानी का 100 फीसद पानी सप्लाई नेटवर्क तैयार होगा। अभी हर दिन 514 मिलियन लीटर पानी सप्लाई हो रहा है, जबकि 2040 तक 575 मिलियन लीटर की जरूरत होगी। नई व्यवस्था से 15 लाख आबादी को पानी मिलेगा और पर्सनल कनेक्शन 3.10 लाख तक पहुंच जाएंगे। इस मौके पर सीएम ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन पर खुद मुकदमे चल रहे हैं, वे हम पर वोट चोरी का आरोप लगाते हैं। उनके दिमाग में चोरी ही भरी हुई है, क्योंकि उनके पूर्वजों ने सत्ताएं चोरी की हैं। राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हाते हुए भी नादानी कर रहे हैं।

पाठ्य पुस्तक निगम की गवर्निंग बॉडी की बैठक

शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही पाठ्य पुस्तकों का वितरण करने पर जोर

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने पाठ्य पुस्तक निगम की गवर्निंग बॉडी की बैठक में कहा कि शैक्षणिक सत्र वर्ष 2026-27 में पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा मुद्रित की जाने वाली किताबें उच्च गुणवत्ता की हों। उन्होंने कहा कि मुद्रण कार्य से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं तय समय-सीमा में पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि पाठ्य पुस्तकों का वितरण शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही पूरा किया जाये। यह व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बैठक में भी बताया गया कि राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा अगले शैक्षणिक सत्र के लिये एनसीईआरटी और एससीईआरटी से किताबों की पांडुलिपि सितंबर 2025 अंत तक पाठ्य पुस्तक निगम को उपलब्ध करा दी जायेंगी। मध्यप्रदेश, देश के उन चुनिंदा राज्यों में है, जहां बच्चों को निरूशुल्क पाठ्य पुस्तकें सत्र शुरू होते ही वितरित की गयीं। स्कूल शिक्षा विभाग ने 8 स्थानीय भाषाओं- बुन्देली, बघेली, मालवी, निवाड़ी, गोंडी, भीली, बारेली और कोरकू भाषाओं में सामग्री का विकास किया है। विभाग का यह प्रयास बच्चों में स्थानीय भाषा के प्रति लगाव के उद्देश्य से किया गया है। बैठक में सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल, आयुक्त लोक शिक्षण शिल्पा गुप्ता, वित्त, माध्यमिक शिक्षा मंडल के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

करीब 9 करोड़ पाठ्य पुस्तकों का मुद्रण होगा

बैठक में पाठ्य पुस्तक निगम के एमडी विनय निगम ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 में करीब 9 करोड़ पाठ्य पुस्तकों का मुद्रण होगा। इसके लिये ई-टेंडरिंग प्रक्रिया के तहत निविदा की प्रक्रिया होगी। निगम शैक्षणिक सत्र 2026-27 में 10 मार्च 2026 तक सभी पाठ्य पुस्तकों का मुद्रण कार्य पूरा कर लेगा। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष अप्रैल 2025 में शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही निरूशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण शुरू किया गया था। इस वर्ष अब तक लगभग सभी पाठ्य पुस्तकों का वितरण विद्यार्थियों को किया जा चुका है। बैठक में बताया गया कि निगम ने कुछ सरकारी स्कूलों को खेल-कूद मैदान, अतिरिक्त कक्ष और नवीन कक्ष निर्माण के लिये अनुदान राशि मंजूर की है।

कंट्री हेड एंड्रीका ने कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास का किया दौरा

भोपाल। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की कंट्री हेड एंड्रीका ने भोपाल के तुलसी नगर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास का दौरा किया। उनके साथ अपर परियोजना प्रबंधक मनीषा सेथिया और जनसंख्या कोष के स्टेट हेडसुनील जैकब भी थे। प्रतिनिधियों ने छात्रावास में पढ़ने वाली बालिकाओं से चर्चा की। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष एवं स्कूल शिक्षा विभाग की संयुक्त पहल से बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिये एक मॉड्यूल तैयार किया गया है, जिसका नाम ÷सशक्त÷ है। छात्रावास में आकर्षक प्रदर्शनी के माध्यम से हिंसा से बचाव, उनके अधिकारों, पॉक्सो एक्ट और शारीरिक स्वच्छता के संबंध में बालिकाओं को जानकारी दी गई है। जनसंख्या कोष बालिका छात्रावास में बालिकाओं के उन्मुखीकरण के लिए विषय-विशेषज्ञों की उपस्थिति में लगातार वर्कशॉप भी कर रहा है। कंट्री हेड एंड्रीका और स्टेट हेड सुनील जैकब ने आयुक्त लोक शिक्षण शिल्पा गुप्ता से मुलाकात कर यूथ एवं एडोलसेंट प्रोग्राम के बारे में जानकारी प्राप्त की। बैठक में संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष से अपेक्षा की गई कि कार्यक्रम का विस्तार प्रदेश के अन्य सरकारी स्कूलों में भी किया जाए। इससे सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली बालिकाओं में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की भावना मजबूत होगी। वे अपने अच्छे करियर की तरफ भी बढ़ सकेंगी।

नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता अधर में, विद्यार्थी परेशान

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

काफी समय से विवाद का मुद्दा रहे नर्सिंग कॉलेज लगातार दूसरे साल गंभीर संकट से गुजरते नजर आ रहे हैं। इसकी वजह यह है कि मप्र नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल ने अब तक सत्र 2025-26 की मान्यता जारी नहीं की है। इससे प्रदेश के करीब 360 नर्सिंग कॉलेज और 40 हजार छात्रों के प्रवेश पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इंडियन नर्सिंग काउंसिल ने प्रवेश की अंतिम तारीख 30 सितंबर तय की है। छात्रों को प्रवेश लेने के लिए सिर्फ 40 दिन ही शेष हैं। समय पर मान्यता नहीं मिलने से प्रवेश प्रक्रिया में विलंब हो रहा है। पिछले साल ग्वालियर-चंबल संभाग के किसी भी कॉलेज को मान्यता नहीं मिल पाई थी। उधर, उप्र में नर्सिंग कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद क्लास भी शुरू हो गए हैं। राजस्थान में प्रवेश प्रक्रिया अंतिम चरण में है। प्रदेश स्तर पर देखें तो बीएससी नर्सिंग में औसतन 25 हजार, पोस्ट बेसिक बीएससी में 8 हजार और एमएससी नर्सिंग में 7 हजार से ज्यादा सीटें हैं।

काउंसिल की टिलाई समस्या की मुख्य वजह

बताया जाता है कि नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल की ढिलाई इस समस्या की मुख्य वजह है। काउंसिल ने 16 मई को सभी नर्सिंग कॉलेज प्राचार्यों को पत्र जारी कर बताया था कि सत्र 2025-26 केलिए जीएनएम, बीएससी, पोस्ट बेसिक बीएससी और एमएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम कीमान्यता 10 से 14 जुलाई के बीच जारी कर दी जाएगी। निर्धारित तारीख निकलने के बादअब एक माह से अधिक समय बीत चुका है, पर मान्यता नहीं दी गई। यदि नर्सिंग काउंसिल से एक सप्ताह के अंदर मान्यता मिल गई तो कॉलेजों को उच्च शिक्षा विभाग से एनओसी के लिए आवेदन करना होगा। इसमें 10 से 15 दिन लग सकते हैं। इसके बाद क्षेत्रीय यूनिवर्सिटी से संबद्धता लेनी होगी। इस प्रक्रिया में कम से कम एक से डेढ़ माह लगेंगे। ऐसे में 30 सितंबर तक छात्रों को नर्सिंग कॉलेजों में प्रवेश मिल पाए, यह मुश्किल दिख रहा है। जबकि हाईकोर्ट के आदेश पर नर्सिंग काउंसिल ने सत्र 2025-26 की कॉलेजों को मान्यता जारी करने के लिए प्रदेश के लगभग 150 कॉलेजों का निरीक्षण जून में कराया था। हालाकि अधिकारियों का कहना है कि नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता अगले दो से तीन दिन के अंदर जारी कर दी जाएगी।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि पर मंत्री कृष्णा गौर के निवास पहुँचकर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। इस दौरान मंत्री विश्वास सारंग, विधायक भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा एवं जिला प्रभारी महेन्द्र यादव उपस्थित रहे।

जीतू पटवारी की भाषा पर खंडेलवाल ने जताई आपत्ति

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा मुलताई के भाजपा विधायक चंद्रशेखर देशमुख को लेकर अमर्यादित शब्द कहने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। खण्डेलवाल ने कहा कि

पिछड़ा वर्ग को दिए जा रहे सम्मान से कांग्रेस पार्टी और उसके नेता बौखला गए हैं। पटवारी द्वारा भाजपा के वरिष्ठ विधायक के लिए अमर्यादित भाषा का प्रयोग कांग्रेस की हताशा का प्रतीक है। पटवारी ने एक जनप्रतिनिधि नहीं मध्यप्रदेश के समूचे पिछड़े वर्ग का अपमान किया है। राजनीति में मतभेद स्वाभाविक हैं, किंतु अशोभनीय भाषा का प्रयोग करना लोकतांत्रिक परंपराओं की अवहेलना और राजनीतिक मर्यादाओं का हनन है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का अमर्यादित शब्द कांग्रेस पार्टी के गिरते राजनीतिक स्तर को दिखाता है।

दो एसपी समेत 9 आईपीएस बदले

भोपाल। राज्य सरकार ने देर रात मंदसौर और नरसिंहपुर के एसपी बदल दिये हैं,दोनों को ही अभी पद पर बमुश्किल एक साल हुआ था। अब विनोद कुमार को मंदसौर का नया एसपी बनाया गया है। वहीं ऋषिकेश मीना नरसिंहपुर के नए एसपी होंगे। उज्जैन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर अभिषेक रंजन को भेजा गया है जो अब तक सिंगरौली में एएसपी के पद पर थे। वहीं पुलिस उपायुक्त जोन 4 नगरीय पुलिस भोपाल जितेंद्र सिंह पवार को उपायुक्त यातायात भोपाल बनाया गया है। जबकि नरसिंहपुर एसपी मृगाखी डेका अब एआईजी, पीएचक्यू होंगी। मंदसौर से आकर अभिषेक आनंद सेनानी प्रथम वाहिनी एसएएफ इंदौर का पद संभालेंगे। उधर एएसपी उज्जैन मयूर खंडेलवाल को उपायुक्त जोन 4 भोपाल लाया गया है। आनंद कलगी एएसपी जबलपुर को उपायुक्त जोन 4 इंदौर बनाया गया है। कृष्ण लाल चंदानी एएसपी ग्वालियर अब उपायुक्त जोन वन इंदौर होंगे।

मेट्रो एंकर आजीविका फ्रेश मेला भोपाल हाट में 23 एवं 24 अगस्त को

स्टॉल पर मिलेंगे रसायन रहित कृषि उत्पाद

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत स्व-सहायता समूहों का दो दिवसीय 'आजीविका फ्रेश' मेला भोपाल हाट में 23 एवं 24 अगस्त को आयोजित किया जा रहा है। मेले का शुभारंभ 23 अगस्त को प्रात: 10.00 बजे पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल द्वारा किया जायेगा। इस अवसर पर विभाग की राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह भी उपस्थित रहेंगीं। मेले में विभिन्न जिलों से आ रही स्व-सहायता समूहों की दीदियों द्वारा रसायन रहित एवं जैविक तरीके से उगाये हुये कृषि एवं दुग्ध-उत्पादों सहित अन्य सामग्री का विक्रय सह प्रदर्शन किया जायेगा।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्व-सहायता समूहों के उत्पादों को वृहद बाजारों से जोड़ने के लिये अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में स्व-सहायता समूहों का दो दिवसीय

आजीविका फ्रेश मेला अरेरा हिल्स स्थित भोपाल हाट परिसर में आयोजित किया जा रहा है। मेला प्रात: 11 बजे से रात्रि 09.30 बजे तक चलेगा।

मेले में विभिन्न जिलों से आ रही ग्रामीण स्व-सहायता समूहों की दीदियों द्वारा 55 स्टॉल लगाये जायेंगे। समूहों से जुड़े परिवारों को कम लागत में अधिक उपज के लिये कृषि एवं पशुपालन की उन्नत तकनीक अपनाने के लिये कृषि सखियों व पशुपालन सखियों द्वारा सहयोग दिया जा रहा है। विशेष रूप से प्राकृतिक पद्धति से रसायन रहित जैविक उत्पाद तैयार करने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है।

रसायन रहित तैयार किए जा रहे उत्पाद

इन प्रयासों के फलस्वरूप रसायन रहित उत्पाद तैयार किये जा रहे हैं, जिन्हें इस मेले में खास तौर से लाया जा रहा है। इनमें मुख्य रूप से अनाज, दलहन, तिलहन, सब्जियां, फल और दुग्ध आधारित उत्पादों में देशी गाय एवं गिर गाय का घी, पनीर और सोयाबीन उत्पादों में टोफू, सोया बड़ी एवं मशरूम आधरित उत्पादों में सूखा मशरूम, अचार, पाउडर, कुकीज तथा वन उत्पादों में जंगल का शुद्ध शहद, महुआ उत्पादों में , मुरब्बा, मिलेट उत्पादों में कोदो, कुटकी, चावल कुकीज, लड्डू, खीर आदि प्रमुख हैं। क्षेत्रीय कृषि उत्पादों में नरसिंहपुर जिले की तुअर (अरहर) दाल एवं गुड़, बालाघाट जिले का चिनौरी चावल, सिवनी जिले का जीरा शंकर चावल तथा क्षेत्रीय खान-पान में मालवा, निमाड, चंबल-ग्वालियर, विंध्य, बुंदेलखण्ड, बघेलखण्ड आदि क्षेत्रों के प्रसिद्ध खान-पान व्यंजनों तथा हर्बल पेय आदि का आनंद इस मेले में लिया जा सकता है।

संपादकीय

मुकाबला दिलचस्प, वजहें कई

इस बार देश के नए उपराष्ट्रपति पद का चुनाव बेहद रोचक अंदाज में आगे बढ रहा है। हालांकि मतदान में अभी करीब अठारह दिन बाकी हैं। मगर सत्तापक्ष और विपक्ष ने जिस तरह के संकेत दिये हैं वह मुकाबले को रोचक बना रहे हैं। सत्तारुढ एनडीए ने सीपी राधाकृष्णन को मैदान में उतारा है तो इंडिया गठबंधन ने सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज बी. सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार चुना है। संख्या बल में सत्तापक्ष का पलड़ा भारी सही, लेकिन यह लड़ाई आंकड़ों से ज्यादा प्रतीकात्मक विपक्ष ने एक मजबूत कैंडिडेट उतारकर यही संदेश देने का प्रयास किया है कि वह किसी मोर्चे पर सरकार को फ्री हैंड नहीं देगी। इस मुकाबले के दिचलस्प होने की खास वजह यह भी है कि दोनों नाम दक्षिण भारत से हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं, जबकि सुदर्शन रेड्डी तेलंगाना से। दोनों चेहरों का दक्षिण भारत से होना संयोग नहीं हो सकता और इसी वजह से यह चुनाव और भी दिलचस्प हो जाता है। भाजपा के लिए सियासी तौर पर दक्षिण अब भी मुश्किल जगह है, जबकि विपक्ष के लिए ऐसा मैदान है, जहां उसने मजबूत चुनौती पेश की है। उपराष्ट्रपति चुनाव उसी सियासी लड़ाई का विस्तारित रूप माना जाना चाहिये। इस चुनाव में चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी एक बडे व अहम रोल में होगी। अभी यह पार्टी केंद्र की मोदी सरकार को समर्थन देने वाला अहम व बडा दल है। जबकि विपक्ष के उम्मीदवार के बारे में कहा जाता है कि वे कभी नायडू के करीब थे, वे इसी क्षेत्र के भी हैं। अभी तक तो जिस तरह से टीडीपी ने राधाकृष्णन के समर्थन का ऐलान किया है, उसका असर दिखने भी लगा है। अगर सौ फीसदी वोटिंग होती है, तो दोनों सदनों में मिलाकर चुनाव में जीत के लिए 394 वोट चाहिए होंगे। एनडीए पास 422 का संख्याबल है। हालांकि उपराष्ट्रपति का चुनाव गुप्त मतदान से होता है और सदस्य पार्टी व्हिप से नहीं बंधे होते हैं। लिहाजा सरकार और विपक्ष, दोनों के लिए यह मौके के साथ चुनौती भी है कि दोनों तरफ से अपने समर्थन का दायरा बढ़ाने की कोशिश होगी। खासतौर पर दक्षिण से आने वाले क्षेत्रीय दलों पर भी नजरें होंगी। उपराष्ट्रपति का पद किसी पार्टी का नहीं होता। इसकी गरिमा को देखते हुए अगर सर्वसम्मति से किसी को चुना जाता, तो ज्यादा अच्छा रहता। हालांकि अभी की राजनीतिक परिस्थितियों में ऐसी संभावना दूर-दूर तक नहीं दिखती। देश में पिछले कुछ बरसों से जिस तरह का माहौल है, उसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष ज्यादातर मौकों पर दो विपरीत ध्रुवों पर नजर आए हैं। जिन मामलों में सदन में सहमति की मांग थी, वहां भी सहमति नहीं दिखी, तो यह चुनाव तय ही था। हालांकि लोकतंत्र में वैचारिक लड़ाई भी महत्वपूर्ण है। उपराष्ट्रपति पद के इर्द-गिर्द हाल में बहुत हलचल देखने को मिली है। जगदीप धनखड़ जिन परिस्थितियों में गए, उसे अच्छा नहीं कहा जा सकता। उम्मीद ही की जा सकती है कि यह यह चुनाव बेहतर माहौल में होगा और जिस पद के लिये हो रहा है उस पद का सम्मान बना रहेगा। हालांकि चुनाव में जीत जिसकी भी हो, उस पर लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं को आगे ले जाने की अहम जिम्मेदारी होगी। दोनों ही पक्ष अपने उम्मीदवार को बेहतर और काबिल बताने में कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अभी चुनाव में दिन बाकी हैं तो माना जा सकता है कि यह कई मोड से गुजरेगा।

एक दिन अपने आप पर गर्व करना है तो आज हारी हुई बाजी जीतनी ही होगी

निशाना

खेल सारा वोट का !

दिन पर दिन तीखे ।
हो रहे बयान ।।
पहुंचाना है ठेस ।
है केवल ये ध्यान ।।
बार बार गलती ।
ऐसे यूं दोहराना ।।
क्या बनी रणनीति ।
जानता जमाना ।।
खेल सारा वोट का ।
लगती ना लगाम ।।
करना जिन्हें खुश ।
पहुंच रहा पैगाम ।।
रह रह कर अब मंच से ।
छोड़ते हैं तीर ।।
त्वरित कुछ निकालें ।
हो रहे अधीर ।।

- कृष्णेन्द्र राय

आज का इतिहास

- 1320 गयासुद्दीन तुगलक (गाजी मलिक) ने खिलजी वंश के आखिरी शासक नासिरूद्दीन खुसरो को पराजित किया।
- 1639 ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई (तत्कालीन मद्रास) की स्थापना की।
- 1848 अमेरिका ने न्यू मैक्सिको पर कब्जा किया।
- 1849 ऑस्ट्रिया ने इटली के शहर वेनिस पर चालक रहित गुब्बारों से इतिहास का पहला हवाई हमला किया।
- 1921 राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने विदेशी वस्त्रों की होली जलाई।
- 1922 जनरल माइकल कोलिन्स की पश्चिम कॉर्क में हत्या कर दी गई।
- 1944 अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और चीन के प्रतिनिधियों ने संयुक्त राष्ट्र के गठन की योजनाओं को लेकर मुलाकात की। 1969 अमेरिका में समुद्री तूफान में 255 लोगों की मौत।
- 2007 अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की मरम्मत के लिए दो सप्ताह के मिशन पर गया अंतरिक्ष यान एण्डेवर फ्लोरिडा में केनेडी स्पेस सेंटर पर सुरक्षित उतरा।
- 2007 मिस्र के पुरातत्त्वविदों ने पश्चिम रेगिस्तान के सिवा क्षेत्र में लगभग 20 लाख साल पुराने मानव पद-चिह्नों का पता लगाया।

भारत के लिए बड़ी चुनौती है सामरिक स्वायत्तता की सुरक्षा

■ पवन चौरसिया

राजनीतिक समीकरणों में बीते कुछ महीनों में व्यापक परिवर्तन देखा गया है. इससे भारत में चर्चाओं और आत्ममंथन का दौर शुरू हो गया है. एक ओर ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की पाकिस्तान के साथ बढ़ी हुई अदावत का एक नया अध्याय शुरू हुआ है. वहीं दूसरी ओर भारत की सामरिक स्वायत्तता और बहु-संरेखण की नीति को भी भारी दबाव का सामना करना पड़ा है. इन सबके केंद्र में कहीं न कहीं अमरीका द्वारा भारत पर मनमाने तरीके से लगाए गए टैरिफ के कारण संबंधों में आई कड़वाहट और अमरीका और पाकिस्तान के बीच बढ़ती नजदीकी सबसे महत्वपूर्ण है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारती के विदेश नीतिकारों के लिए यह समय अप्रत्याशित रूप से चुनौती भरा है। इसमें परंपरागत धारणाओं से नीति निर्माण और नीति क्रियान्वयन, दोनों ही लाभकारी नहीं होने वाला है। यह विदेश नीति के आत्म-विश्लेषण, उसमें नई संभावनाएं तलाशने और नवाचार लाने का भी उपर्युक्त समय है। कुछ दिन पहले पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असिम मुनीर ऑपरेशन सिन्दूर में भारत से मुंह की खाने के बाद दूसरी बार अमरीका गए थे. वहां उन्होंने अप्रवासी पाकिस्तानियों के सामने जिस तरह भारत पर परमाणु हमले की धमकी दी, उसने भारत में पाकिस्तान के साथ-साथ अमरीका के प्रति भी एक प्रकार की नकारात्मकता के भाव को जन्म दिया.राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम ने टैरिफ और पाकिस्तान से नजदीकी पर जैसा रुख अपनाया है, उससे भारत-अमरीका के रिश्तों में परस्पर अविश्वास और असंतोष की भावना में अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है. यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण इसलिए भी है क्योंकि शीत युद्ध के बाद जिस तरह से विश्व के सबसे पुराने और सबसे विशाल लोकतांत्रिक देश साझा मूल्यों और साझा समझ के कारण एक-दूसरे के निकट आए थे,आज वो मूल्य और समझ कमजोर होते नजर आ रहे हैं.

सनद रहे की 1998 में भारत द्वारा परमाणु परिक्षण किए जाने के बाद अमरीका के तत्कालीन बिल क्लिंटन शासन ने भारत पर कई तरह की पाबंदियां लगा दी थीं। लेकिन उसी क्लिंटन शासन में भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाने को लेकर सहमति भी बनी। राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने मार्च 2000 में भारत का दौरा किया। यह उस समय 22 सालों में किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की पहली भारत यात्रा थी (उनसे पहले जनवरी 1978 में जिमी कार्टर भारत आए थे)। इस यात्रा का उद्देश्य संबंधों को पुनः स्थापित करना, भारत के बढ़ते आर्थिक और सामरिक महत्व को मान्यता देना और परमाणु अप्रसार, आतंकवाद और व्यापार जैसे मुद्दों पर बातचीत को बढ़ावा देना था. 21वीं सदी के पहले वर्ष में हुई इस यात्रा के दौरान अमेरिका और भारत ने एक ऐतिहासिक 21वीं सदी के लिए विजन वक्तव्य पर हस्ताक्षर किए. इसमें लोकतंत्र, आर्थिक विकास और जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद जैसी वैश्विक चुनौतियों पर केंद्रित एक रणनीतिक साझेदारी की रूपरेखा पेश की गई थी। उसके बाद के सभी अमरीकी सरकारों चाहें वो रिपब्लिकन पार्टी की हों या डेमोक्रेटिक पार्टी की, सबने भारत के साथ संबंधों को मजबूत बनाने को न केवल प्राथमिकता दी, बल्कि उसके लिए व्यापक कदम भी उठाए. वहीं भारत में भी आम जनता के साथ-साथ दोनों प्रमुख गठबन्धनों एनडीए और यूपीए ने अमरीका के साथ अच्छे रिश्ते बनाने को भारतीय हितों के अनुकूल माना. इस वजह से दोनों देश आर्थिक, सामरिक, प्रोद्यौगिक मोर्चों पर एक-दूसरे का साथ देते नजर आए. एक ओर जहां अमरीका चीन को घेरने और अपनी इंडो-पैसिफिक नीति की सफलता के लिए भारत जैसी एक क्षेत्रीय महाशक्ति का साथ जरूरी था. वहीं भारत के लिए भी अमरीका के करीब जाने से आर्थिक, सामरिक और सैन्य मोर्चों पर लाभ मिलना निश्चित था. छोटे-मोटे उतार चढ़ाव के बावजूद 2000 से एक बार फिर शुरू हुई यह साझेदारी करीब ढाई दशक तक काफी अच्छे से चली. इसमें डोनाल्ड ट्रंप का पहला कार्यकाल भी शामिल था. इस दौरान दोनों देशों में कई उल्लेखनीय समझौते भी हुए, जिनके कई दूरगामी परिणाम थे. जहां एक ओर 2008 का असैन्य परमाणु समझौता भारत के परमाणु अलगाव को समाप्त कर वैश्विक मान्यता दिलाने वाला था, वहीं 2016 में हुए लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट ने दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को बढ़ाया. इसके साथ-साथ 2023 में पहल ने प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ावा दिया. साल 2024 में सप्लाई सिक्योरिटी एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए, जो दोनों देशों को राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने वाली वस्तुओं और सेवाओं के लिए पारस्परिक प्राथमिकता समर्थन प्रदान करने की अनुमति देता है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में अंदाज काफी बदल चुका है. अपने पहले कार्यकाल में पाकिस्तान के प्रति उनके विचार अत्यधिक आलोचनात्मक थे. उन्होंने पाकिस्तान पर आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाते हुए पाकिस्तान को अमरीका से मिलने वाली डॉलर की सैन्य सहायता को निलंबित कर दिया था. इससे दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण हो गए थे. इसके विपरीत अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप का रुख अधिक सकारात्मक और मैत्रीपूर्ण हो गया है.उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख असिम मुनीर की लंच के लिए मेज़बानी की, बल्कि वैश्विक आतंकवाद के सबसे बड़े पोषक, समर्थक आतंक को अपनी राज्य-नीति की तरह प्रयोग करने वाले देश पाकिस्तान के साथ अमरीका की आतंकवाद विरोधी साझेदारी को शानदार बताया. उन्होंने ऑपरेशन सिन्दूर के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम का झूठा श्रेय लेने की भी कई बार असफल कोशिश की. इसका खंडन भारत कई बार अधिकारिक रूप से कर चुका है. ट्रंप के पाकिस्तान के करीब आने के पीछे उनके निजी आर्थिक हित, विशेष रूप से उनके परिवार के क्रिप्टो व्यवसाय से जुड़े होने की अटकलों ने जोर पकड़ा है. जानकारों का मानना है कि ट्रंप का पाकिस्तान के प्रति सकारात्मक रुख क्षेत्रीय स्थिरता या चीन के खिलाफ रणनीति से ज्यादा उनके व्यापारिक हितों से प्रेरित हो सकता है. कई अखबारों में यह लिखा गया है कि पाकिस्तान सरकार ने 17 हजार करोड़ रुपए के क्रिप्टो बिजनेस का ट्रंप परिवार के स्वामित्व वाली वर्ल्ड लिबर्टी कार्उसिल के साथ टेकओवर करार किया है.ऐसे में भारत के प्रति उनकी आक्रामकता और उनके भारत विरोधी बयान जैसे भारत को रूस से तेल खरीदने के कारण यूक्रेन युद्ध के लिए अप्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार ठहराना,ब्रिक्स को खत्म करने की धमकी देना, भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत घोषित करना आदि भारत के लिए कई समस्याओं को खड़ा करता है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति पर केंद्रित आर्थिक राष्ट्रवाद के तहत अमेरिका की बढ़ती अनिश्चितता के साथ, इस कदम ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों के विस्तार के लिए अमरीका पर उस तरह से निर्भर नहीं हो सकता जिस तरह से वो बीते कुछ सालों से हो गया था. पिछले दो दशक से नई दिल्ली में यह विचार आम समझ बन गया था कि साझे हितों, साझी जरूरतों और साझी मान्यताओं के कारण अमरीका भारत का नैसर्गिक मित्र बन चुका है. अब दोनों देश अपनी विदेश नीति में एक दूसरे की संवेदनशीलताओं का ध्यान रखेंगे. लेकिन मौजूदा हालात ने यह साबित कर दिया है कि आत्मनिर्भर बनने की आकांक्षा रखने वाले देश के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों में विविधता लाना अब एक विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन गया है. इसके लिए भारत व्यापक कदम उठा रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कुछ दिन पहले ही मास्को में रूस की सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु से मुलाकात की है.वहीं हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद पुतिन से फोन पर बात की. इससे भारत और रूस के संबंधों के अनवरत और मजबूत होने का संकेत मिला है. विदेश मंत्री डॉक्टर जयशंकर की मॉस्को यात्रा (19-21 अगस्त) अपने समकक्ष सर्गेई लावरोव से मिल कर रूस-भारत वार्षिक शिखर सम्मेलन की तैयारी संबंधी विचार-विमर्श का एक हिस्सा है. इसमें राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के इस साल के अंत में भाग लेने की उम्मीद है।

(साभार: ये लेखक के विचार हैं)

पहाड़ों की संवेदनशीलता के अनुरूप हो विकास

■ ज्ञानेंद्र रावत

पिछले कुछ वर्षों से हिमालयी क्षेत्र लगातार आपदाओं का सामना कर रहा है–चाहे 2013 की केदारनाथ त्रासदी हो, 2021 की ऋषिगंगा आपदा, 2023 में ल्होनक झील फटना, जोशीमठ का भूधंसाव हो या हालिया बादल फटना और भूस्खलन की घटनाएं। इन आपदाओं के पीछे जलवायु परिवर्तन, मानसून की अनिश्चितता, अरब सागर की गर्म हवाएं और दक्षिण-पश्चिमी हवाओं का उत्तर की ओर झुकाव जैसे प्राकृतिक कारण तो हैं ही, सबसे बड़ा कारण प्रकृति में अनियंत्रित मानवीय हस्तक्षेप है, जिसकी भारी कीमत हमें हर साल भीषण तबाही के रूप में चुकानी पड़ रही है।

वैज्ञानिक, पर्यावरणविद और शोध लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि पहाड़ों पर अवैज्ञानिक और अनियोजित निर्माण, विस्फोटों से जलविद्युत परियोजनाएं, रेलमार्ग, बेतरतीब खुदाई और नदी-नालों के प्राकृतिक मार्गों में हस्तक्षेप से हम आपदाओं को न्योता दे रहे हैं। दुर्भाग्य से विकास के नाम पर सरकारी लापरवाही का आलम यह है कि संवेदनशील भूस्खलन क्षेत्रों में भी बहुमंजिला इमारतों, होटलों और सड़कों का निर्माण अनियंत्रित रूप से जारी है, जो भविष्य के लिए गंभीर खतरा है।

गौरतलब है कि जब धरती की सतह और पहाड़ों को बार-बार खोदा और काटा जाता है, तो बारिश की बूंदें तेजी से बहकर मिट्टी को ढीला कर देती हैं। इससे भूमि की पकड़ कमजोर पड़ती है और आपदाएं, विशेष रूप से भूस्खलन, कई गुना बढ़ जाते हैं। वैज्ञानिक चेता रहे हैं कि जलवायु में आ रहे बदलाव और पहाड़ों पर विकास के नाम पर अंधाधुंध निर्माण विनाश का कारण बन रहा है।आईपीसीसी की रिपोर्ट के अनुसार ऊंचे इलाकों में एक डिग्री तापमान बढ़ने पर वर्षा की तीव्रता 15 फीसदी बढ़ जाती है। जब गर्म समुद्री हवा भारी नमी लेकर हिमालय से टकराती है तब पहाड़ उसे रोकते हैं। इससे क्यूम्यलोनिम्बस बादल बनते हैं जो 50,000 फीट ऊंचाई तक जा सकते हैं और जब ये फटते हैं तो भीषण तबाही लाते हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और डीआरडीओ के अनुसार, हिमालयी ग्लेशियर हर वर्ष औसतन 15 मीटर तक पीछे हट रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में यह दर 20 मीटर से अधिक है। गंगा बेसिन में ग्लेशियर 15.5 मीटर, इंडस बेसिन में 12.7 मीटर और ब्रह्मपुत्र बेसिन में 20.2 मीटर प्रति वर्ष की गति से पीछे खिसक रहे हैं। दरअसल, जब ग्लेशियर पिघलते हैं, उसके नीचे की जमीन अस्थिर होती जाती है। पिघलती बर्फ, दरकती चट्टानें और अचानक बनने वाली झीलें सबसे बड़ी चिंता का विषय हैं। रिपोर्ट की मानें तो साल 2018 तक कराकोरम और हिन्दूकुश जैसे इलाकों में 127 बड़े ग्लेशियर संबंधित भूस्खलन रिकॉर्ड हुए हैं।हिमालयी क्षेत्र उत्तराखंड, हिमाचल, सिक्किम सहित कुल 13 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में फैला है। मानसून के दौरान यह क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यंत संवेदनशील रहता है। इसकी जटिल भौगोलिक बनावट, नाजुक पारिस्थितिकी और बदलती जलवायु स्थितियां इसे और अधिक जोखिमग्रस्त बनाती हैं।

यह आपदाएं आबादी क्षेत्र, बुनियादी ढांचे और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती हैं। चूंकि इस क्षेत्र में अधिकांश नदियां संकरी घाटियों से होकर बहती हैं, इसलिए बादल फटने या ग्लेशियर झील के फटने के कारण तेज बहाव के साथ बड़ी मात्रा में बोल्डर सहित मलबा भी बह जाता है। परिणामस्वरूप नदियों के रास्ते अवरुद्ध हो जाते हैं और निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

विशेषज्ञ भी मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन और पर्वतीय इलाकों में जारी विकास परियोजनाओं से प्राकृतिक आपदाओं का खतरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। वर्ष 2021 में उत्तराखंड में पानी के तेज बहाव के कारण धौलीगंगा नदी में एक हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे कर्मचारियों पर चट्टानें और मलबा आ गिरा, जिससे 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। गौरतलब है कि हिमालयी इलाके में बरसों से जारी खनन से नदी तल का क्षरण हो रहा है। इसके चलते नदियां सूख रही हैं, नतीजतन बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ रहा है। यही नहीं खनन से निकलने वाले रसायन मिट्टी और पानी को प्रदूषित करते हैं। खनन से वन्य जीवों के आवास खत्म हो रहे हैं, जिससे जैव विविधता को काफी नुकसान हो रहा है। खनन से जहां लोग अपने घरों से विस्थापित हो रहे हैं, वहीं स्थानीय लोगों की आजीविका, कृषि और पर्यटन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है तथा पर्यावरण और सामाजिक-आर्थिक दोनों तरह के खतरे पैदा हो रहे हैं।ध्यान रखना होगा कि हिमालय दुनिया की सबसे युवा पर्वत शृंखला है। भूगर्भीय दृष्टिकोण से यह अभी भी अधपका है और निरंतर बदलाव के दौर से गुजर रहा है। यह जानते-समझते हुए भी हम वहां बेतहाशा कंक्रीट का निर्माण कर रहे हैं, जिसमें नदियों के जलग्राही क्षेत्रों को भी नहीं छोड़ा गया है। जब हम वहां जाकर बसेंगे तो भूस्खलन, बाढ़, हिमस्खलन, भूकंप और बादल फटने जैसी प्राकृतिक घटनाएं तो आएंगी ही।

प्रकृति की संवेदनशीलता के प्रति हमें अत्यंत सतर्क और संवेदनशील होना होगा। यदि हम प्रकृति से खिलवाड़ करेंगे, तो निश्चित है कि ऐसी आपदाओं का सामना लगातार करना पड़ेगा। हिमालयी पर्वतीय क्षेत्र में भौगोलिक और पर्यावरणीय दृष्टि से पूर्वसूचना प्रणाली पर तत्काल कार्य करना आवश्यक है। यहां प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाना चाहिए, यह समझते हुए कि पर्वतीय इलाकों में मैदानी इलाकों की तरह काम नहीं किया जा सकता। इसके लिए एक अलग दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। ध्यान रखना होगा कि यदि हम प्रकृति की राह में बाधा डालेंगे, तो उसका खमियाजा हमें ही भुगतना होगा।

साभार–लेखक पर्यावरणविद् हैं।

गौवंश की मौत पर फूटा गुस्सा, तीन घंटे तक हाइवे पर रहा ट्रैफिक जाम

औबेदुल्लागंज, दोपहर मेट्रो

नेशनल हाई- वे 45 पर उस समय बड़ा हंगामा देखने को मिला, जब दुर्घटना में मरी हुई गायों को सड़क पर रखकर गौ सेवकों ने चक्का जाम कर दिया। सुबह 8 बजे से शुरू हुआ यह जाम करीब 3 घंटे तक जारी रहा, जिससे हाईवे पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। मौके पर भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। बार-बार समझाइश देने के बावजूद गौ सेवक अपनी मांगों पर अड़े रहे। उनका कहना था कि आए दिन सड़कों पर आवारा मवेशियों की दुर्घटनाओं में मौत हो रही है, लेकिन प्रशासन इस ओर गंभीर नहीं है।

गौ सेवकों की मांग थी कि जल्द से जल्द स्थायी गौशाला का निर्माण किया जाए और सड़कों पर भटक रहे आवारा पशुओं के लिए सुरक्षित आश्रय की

व्यवस्था की जाए। इसके अलावा मवेशियों की देखभाल और चारे-पानी की जिम्मेदारी प्रशासन तय करें। करीब दो घंटे चले जाम के बाद स्थिति तब काबू में आई, जब मौके पर पहुंचे अनुविभागीय अधिकारी) चंद्रशेखर श्रीवास्तव ने गौ सेवकों से चर्चा कर आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन प्राथमिकता पर गौशाला निर्माण करवाने का प्रयास करेगा और सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं को सुरक्षित स्थान पर रखकर उनके भोजन-पानी की भी व्यवस्था की जाएगी। लंबी बातचीत और आश्वासन के बाद आखिरकार गौ सेवकों ने हाईवे खाली किया। प्रशासन की ओर से आश्वासन के बाद गौ सेवक शांत हुए हैं, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

लाखों की लागत से बनी गौशालाएं हो रही हैं खंडहर

अमित श्रीवास्तव। औबेदुल्लागंज

जनपद पंचायत की बड़ी लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता के चलते औबेदुल्लागंज विकासखंड में लाखों की लागत से बनाई गई गौशालाएं आज खंडहर में तब्दील हो चुकी हैं। कागजों में तो व्यवस्था पूरी है, मगर सड़कों पर रोजाना दुर्घटनाग्रस्त हो रहे गोवंश हकीकत बयान कर रहे हैं। जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज द्वारा लगभग 38-38 लाख की लागत से बनाई गई गौशालाओं का संचालन कभी सही ढंग से नहीं हो सका। आज वे इमारतें जर्जर हालत में खड़ी हैं और अंदर एक भी गोवंश नहीं दिखाई देता। सवाल उठता है कि आखिर इतनी बड़ी राशि खर्च करने के बाद भी इन गौशालाओं का लाभ किसे मिला? प्रशासन ने खानापूर्ति करते हुए कर्मचारियों की ड्यूटी सड़क से गोवंश हटाने के लिए लगाई है, लेकिन न तो कर्मचारी मैदान में दिखाई देते हैं और न ही अधिकारी। यह

जांचने की जहमत उठाते हैं कि वास्तव में काम हो भी रहा है या नहीं। गौसेवकों और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जब भी गौशाला निर्माण की बात आती है तो समाज से सहयोग मांगा जाता है, लेकिन जब इन गौशालाओं के संचालन की बारी आती है तो प्रशासन और पंचायत हाथ खड़े कर देते हैं। लोगों का सवाल जायज है कि क्या करोड़ों की राशि सिर्फ कागज़ों पर खर्च दिखाने के लिए थी? और कब तक सड़क पर लावारिस गोवंश मौत के घाट उतरते रहेंगे?

इन्हें जानकारी ही नहीं

आपके माध्यम से यह जानकारी प्राप्त हुई है। गौ शाला अगर संचालित नही हो रही है तो जाँच उपरांत उचित कार्यवाही की जाएगी ।

-चंद्रशेखर श्रीवास्तव
एसडीएम औबेदुल्लागंज

गौ शाला संचालित नहीं हो पा रही है, यह बात मुझे आपके माध्यम से ही पता चली है। इस पूरे मामले की पड़ताल कर जल्द गौशाला शुरू करने का प्रयास करते हैं ।

-निखलेश कटारे
कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत
औबेदुल्लागंज

कौन सुने फरियाद, नुकसान का सर्वे तक करने के लिए नहीं पहुंच रही टीम

हे सरकार...! किसानों की सुध लीजिये , भारी बारिश से मक्का और सोयाबीन की फसल बर्बाद

शोभित शर्मा , सिरोंज।

अतिवृष्टि और यलो मोजक के असर के कारण इस खरीफ की फसल पर संकट के बादल छाए हुए हैं। हालात ये हैं कि कई खेतों में अभी भी बारिश का पानी भरा हुआ हैं। इस कारण फसल पूरी तरह पीली पड़ रही है। किसान लगातार प्रशासन से फसल का सर्वे करवा कर नुकसान का आकलन करने का अनुरोध कर रहे हैं लेकिन इसके बाद भी न तो कृषि विभाग की टीम खेतों में पहुंच रही है और न ही राजस्व विभाग का अमला उनकी सुनवाई कर रहा है।

आरोन रोड पर क्षेत्र की सीमा पर स्थित ग्राम पंचायत करईखेड़ा के सरपंच बृजमोहन धाकड़ ने बताया कि पंचायत के सभी गांवों में अतिवृष्टि के कारण फसलों को बहुत अधिक नुकसान हुआ है। अधिकांश खेतों में फसल या तो पीली पड़ गई है या फिर गल कर नष्ट हो गई है। जिसकी शिकायत हमने 11 अगस्त को एसडीएम के पास जाकर की थी। इसके बाद उम्मीद थी कि विभागों के जिम्मेदार आकर फसल निरीक्षण कर किसानों की पीड़ा सुनेंगे लेकिन जब पांच दिन बाद भी कोई नहीं आया तो मैने खुद ही फोन कर पटवारी और कृषि विभाग के लोगों को बुलाया था। हर किसान ने उन्हें पीड़ा से अवगत कराया।

सोयाबीन पर यलो मोजक का प्रभाव भी तेज हुआ

इस सीजन में किसानों ने मक्का और सोयाबीन की बोवनी ही सबसे ज्यादा की है। गहरी जमीन वाले खेतों की मक्का पूरी तरह से नष्ट होने की स्थिति में है। कुछ समय के लिए मौसम खुला था। जिससे सोयाबीन की स्थिति सुधरने की उम्मीद थी लेकिन सोयाबीन की फसल पर अब यलो मोजक का असर हो गया है। इससे किसानों को दोहरी मार झेलना पड़ रही है। विभागों के जिम्मेदार भी फसल को लेकर लापरवाही बरतते हुए इसमें भी खानापूर्ति बरत रहे हैं।

बीमा नहीं तो मुआवजा मिले

फसल बर्बादी के बीच मक्का की बोवनी करने वाले किसानों के सामने सबसे बड़ी समस्या मुआवजे को लेकर है। सोयाबीन की बोवनी करने वाले किसानों को तो फसल बीमा का लाभ मिलने की संभावना है लेकिन मक्का की बोवनी करने वाले किसानों को दिक्कत होगी। इसकी वजह है मक्का को फसल बीमा में शामिल नहीं करना। किसान चैनसिंह धाकड़, बाबूलाल पाल, रामेन्द्र धाकड़, खिलनसिंह धाकड़ और सोभागसिंह ने बताया कि अतिवृष्टि से प्रभावित सभी किसानों को प्रशासन द्वारा शीघ्र मुआवजा दिया जाना चाहिए। जिससे की उनकी क्षतिपूर्ति हो सके।

कुछ हिस्सों में ज्यादा नुकसान है

अतिवृष्टि के कारण कुछ हिस्सों में फसलों को ज्यादा नुकसान हुआ है। हमारी टीम लगातार सर्वे कर रही है। मक्का की बोवनी करने वाले किसानों को फसल बीमा के लाभ के लिए बैंक से जानकारी लेना चाहिए।

-अनुज धाकड़ एईओ कृषि विभाग सिरोंज।

दांगी समाज नहीं करेगा मृत्यु भोज

विदिशा। अग्रवाल धर्मशाला में दांगी समाज का भुजरियां मिलन समारोह आयोजित किया गया । जिसमें समाज के सभी वरिष्ठ जन युवा और नारी शक्ति सम्मिलित हुई। बैठक में समाज के वरिष्ठ लोगों ने अलग अलग मुद्दों पर अपनी बात रखी । समाज के कई लोगों का कहना था कि मृत्यु भोज समाज की एक कुरीति है जिसे बंद होना चाहिए । काफी विचार करने के बाद समाज ने ये निर्णय लिया है कि अगर 40 वर्ष से कम उम्र के व्यक्ति की मृत्यु होती हैं तो उसकी रसोई में समाज को भोजन नहीं कराया जाएगा। सिर्फ कुछ कन्या को भोज कराकर मृत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करेंगे। इस मौके पर दांगी समाज के प्रदेश अध्यक्ष तोरण सिंह दांगी , रणधीर सिंह ठाकुर, विनीत दांगी ,चन्दपाल दांगी, राजू दांगी, विष्णुप्रताप दांगी, गौरव ठाकुर, आदि शामिल रहे।

दिल्ली के दल ने एग्रीकल्चर कॉलेज का भ्रमण कर जाकर ली जानकारी

गंजबासौदा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने कृषि महाविद्यालय में भ्रमण के दौरान महाविद्यालय के विकास हेतु इसे भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के अधीन लाकर महाविद्यालय का कायाकल्प करने हेतु आश्वासन दिया था। इसी संदर्भ में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का एक दल कृषि महाविद्यालय के भ्रमण हेतु गठित किया गया था। दल के कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक डॉ आरके शर्मा, सोयाबीन संस्थान इंदौर के प्रमुख वैज्ञानिक एवं प्रभारी डॉ संजय गुप्ता, भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान भोपाल डॉ तपन अधिकारी ने महाविद्यालय का भ्रमण किया एवं उन्होंने छात्र-छात्राओं एवं समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी से परिचर्चा की। दल ने कृषि महाविद्यालय के विकास की विभिन्न संभावनाओं को देखा साथ ही दल के साथ महाविद्यालय के प्रोफेसर से उनके कार्य की प्रगति एवं महाविद्यालय में भविष्य की संभावनाओं पर पर चर्चा की। उसके आधार पर उन्होंने विकास हेतु संभावनाओं की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जो की आगे की कार्यवाही हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली को प्रेषित की जाएगी।

पुलिस के ऐसे कम अधिकारी होते हैं जिनकी कोई शिकायत न करे: रघुवंशी

सिरोंज। दीपनाखेड़ा थाना प्रभारी अनुज प्रताप सिंह के स्थानांतरण पर थाना क्षेत्र के लोगों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। उनका विदाई समारोह हुआ तो थाना क्षेत्र के अनेक लोग उन्हें विदाई देने के लिए पहुंचे। ग्रामीण अरविंद रघुवंशी ने बताया दीपनाखेड़ा थाना काफी पुराना है। इसके बाद भी थाना परिसर के विकास की चिंता किसी ने नहीं की और सभी थाना प्रभारी केवल शासन पर ही निर्भर रहे। अनुज प्रताप सिंह ने परिपाटी को बदला और लगातार विकास कार्य किए। भाजपा नेता राकेश रघुवंशी ने कहा कि आमतौर पर ग्रामीण क्षेत्र में आने वाले थाना प्रभारी परिसर की ज्यादा चिंता नहीं करते लेकिन अनुज प्रताप सिंह ने न केवल थाने परिसर को बेहतर किया बल्कि परिसर में खेल मैदान और गार्डन भी विकसित किया। खास बात ये है कि उनके कार्यकाल में कोई भी व्यक्ति थाने से निराश होकर नहीं लौटा। पुलिस विभाग में बहुत कम ऐसे अधिकारी होते हैं, जिनकी कोई भी शिकायत न करे। इस दौरान नवागत थाना प्रभारी पूजा पाल ने भी ज्वाइनिंग दी। ग्रामीणों ने दोनों ही अधिकारियों का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। इस अवसर पर भाजपा नेता राकेश रघुवंशी, अरविंद रघुवंशी, मानसिंह रघुवंशी, अंकित साहू, मोहन रघुवंशी, बलवीर राजपूत तथा गजेन्द्र सिंह दांगी आदि मौजूद थे।

दामाद की हत्या करने वाले आरोपी ससुर को उम्रकैद, बेटों को 1-1 साल की सजा

कोर्ट ने कहा -ऑनर किलिंग की समाज में कोई जगह नहीं

सागर। दोपहर मेट्रो

पुरानी रंजिश को लेकर अपने दामाद की हत्या करने वाले ससुर को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है साथ ही दो सालों को एक एक साल की सजा से दंडित किया है। ऑनर किलिंग की यह घटना मोतीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बदौना की है। आरोपी भगवती प्रसाद पटेल की बालिग पुत्री से बदोना निवासी नंदकिशोर कुशवाहा ने प्रेम विवाह किया था और शादी कर दोनों इंदौर चले गए। लौटने के बाद उसकी हत्या कर दी गई।

मामले में मोतीनगर पुलिस द्वारा पेश साक्ष्य व गवाहों के बयानों के आधार पर अपर सत्र न्यायाधीश प्रशांत सक्सेना की अदालत ने फैसला सुनाया । कोर्ट ने फैसले में ऑनर किलिंग पर कड़ी टिप्पणी की है कि एक सभ्य समाज में इस तरह के अपराध को कहीं जगह नहीं।

मामले की पैरवी करने वाले विशेष लोक, अभियोजक सौरभ डिम्हा ने बताया कि 8 जनवरी 2023 को फरियादी. संतोष कुशवाहा ने मोतीनगर थाना में आरोपी भगवती प्रसाद पटेल, सुबोध व शुभम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें संतोष ने बताया कि वह बदौना गांव में मोवाइल की दुकान चलाता है। आरोपी भगवती कुशवाहा से पुरानी रंजिश चल रही है। 8 जनवरी 2023 की सुबह करीब 10 बजे वह अपने भाई नंदकिशोर कुशवाहा व योगेश के साथ दुकान पर बैठा था, तभी आरोपी भगवती प्रसाद अपने दोनों लड़कों सुबोध व शुभम के साथ दुकान पर आया और गालियां देने लगा। भाई नंदकिशोर ने गाली देने से मना किया तो भगवती प्रसाद ने लोहे का एंगल नंदकिशोर के सिर पर मारा। सुबोध ने पत्थर से व शुभम ने लाठी से मारपीट की। गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। हालात ठीक होती देख मकरोनिया के एक निजी अस्पताल उसके बाद भोपाल रेफर किया गया जहां हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान नंदकिशोर की मौत हो गई।

कोर्ट की टिप्पणी: कोर्ट ने फैसले में लिखा है कि अधियुक्त भगवती की बालिग पुत्री ने मृतक नंदकिशार से प्रेम विवाह किया था। अब यदि 21वीं शताब्दी में दो बालिग युवक-युवती जो एक ही गांव तथा समाज के हैं, स्वेच्छा से प्रेम विवाह करते हैं, तब विवाह के कुछ समय बाद पुत्री के पति को हत्या करने के आशय से हमला निःसंदेह वही पुरातन ऑनर किलिंग की परंपरा में आता है। जिसकी सभ्य समाज में कोई जगह नहीं है।

एबीवीपी ने तालाबंदी कर सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा। एलबीएस कॉलेज से एलएलबी करने वाले विद्यार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया लंबे समय से प्रारम्भ न होने से आक्रोशित विद्यार्थियों ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। आंदोलन के तहत विद्यार्थियों व परिषद कार्यकर्ताओं ने 2 घंटे तक कॉलेज में तालाबंदी की। इस दौरान कॉलेज परिसर में विद्यार्थियों ने नारेबाजी कर शासन-प्रशासन और विश्वविद्यालय प्रबंधन का ध्यान आकर्षित किया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला संयोजक शुभम सिंह ठाकुर का कहना है कि प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ न होने से उनका शैक्षणिक भविष्य संकट में है। कई बार मांग को उठाने और कुलपति को ज्ञापन देने के बावजूद अब तक किसी प्रकार की ठोस पहल नहीं की गई है। लगातार विरोध और दबाव के चलते नायब तहसीलदार के माध्यम से विश्वविद्यालय के कुलपति से फोन पर बात कराई गई। बातचीत के दौरान कुलपति ने प्रवेश प्रक्रिया को शीघ्र प्रारम्भ कराने का स्पष्ट आश्वासन दिया। कुलपति से आश्वासन मिलने के उपरांत परिषद पदाधिकारियों ने ज्ञापन सौंपा और आंदोलन को समाप्त किया। इस अवसर पर नगर मंत्री गजेंद्र राजपूत ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विद्यार्थियों के अधिकारों की लड़ाई हर स्तर पर लड़ेगी। विद्यार्थियों का भविष्य हमारे लिए सर्वोपरि है। यदि निर्धारित समय सीमा में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ नहीं की गई, तो परिषद आने वाले दिनों में और उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

मेट्रो एंकर तैयारियों की हुई समीक्षा ,उम्मीदवारों की सुविधा के लिए सरकार के सभी विभाग मुस्तैद

विदिशा में आज रात से शुरू होगा अग्निवीर में भर्ती होने वाले युवाओं का मेला

विदिशा। दोपहर मेट्रो

जिला मुख्यालय पर आज यानि 22 अगस्त की रात्रि 12 बजे से अग्निवीर सेना भर्ती प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। खेल स्टेडियम परिसर में आयोजित भर्ती प्रक्रिया के लिए तमाम प्रबंध सुनिश्चित किए गए है। अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे ने पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों को दायित्वों के निर्वहन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सभी को नियत ड्यूटी पाइंट पर मुस्तैद चैकन्ना रहने के लिए निर्देशित किया। अपर कलेक्टर भर्ती रैली प्रक्रिया के लिए विभागीय जिलाधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का समीक्षात्मक बैठक के माध्यम से जायजा लिया । उन्होंने कहा कि सभी विभागो के द्वारा कार्यो के संपादन की रिहर्सल की गई है। प्रशासनिक दृष्टिकोण से सभी विभागों के जिलाधिकारी, कर्मचारी भर्ती प्रक्रिया में सहयोग हेतु कृत संकल्पित है। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित इस बैठक में रेल्वे स्टेशन, बस स्टेण्ड पर अभ्यर्थियों के लिए किए गए प्रबंधो तथा सहायता केंद्रों और उपरोक्त दोनो स्थलों से भर्ती स्थल खेल स्टेडियम परिसर तक आने जाने के लिए किए गए वाहनो के प्रबंध, मार्ग पर लगाए गए साइनेज बोर्ड आदि की जानकारी दी गई। अभ्यर्थियों को सस्ती दर पर होटल- लॉज, धर्मशाला में रूकने के लिए स्थान मिल सके , इसे सुनिश्चित किया जाएगा।

कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम

भर्ती प्रक्रिया से संबंधित जानकारियां प्राप्त करने लिए कंट्रोल रूम में इंतजाम किया गया है। कलेक्ट्रेट के कक्ष क्रमांक 225 में संचालित कंट्रोल रूम का संपर्क नम्बर 07592-181 या 07592-237880 है जबकि मोबाइल नंबर 7400507766 है। कंट्रोल रूम में तिथिवार तीन-तीन पॉलियो में अधिकारी, कर्मचारियों की तैनाती की गई है।

अभ्यर्थियों के लिए जिलेवार शेड्यूल

आर्मी भर्ती रैली प्रक्रिया के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी ने बताया कि विदिशा जिला मुख्यालय के खेल स्टेडियम परिसर में 22 अगस्त को बैतूल जिले के 634 अभ्यर्थी शामिल होंगे। शनिवार 23 अगस्त को छिंदवाडा के 373, पन्ना के 193 और नरसिंहपुर के 191 अभ्यर्थी हिस्सा लेंगे । रविवार 24 अगस्त को पांडुना के 48, हरदा के 53, गुना के 228 और राजगढ जिले के 361 अभ्यर्थी शामिल होंगे। सोमवार 25 अगस्त को पहले से रजिटर्ड राजगढ जिले के 747 युवा शामिल होंगे। जबकि मंगलवार 26 अगस्त को नर्मदापुरम के 450, अशोकनगर के 49 और दमोह जिले के 200 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसी प्रकार बुधवार 27 अगस्त को सीहोर जिले के 769, विदिशा के 280, भोपाल के 229 तथा रायसेन जिले के 192 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसके अलावा 29 अगस्त को पूर्व उल्लेखित सभी जिलो के 842 तथा शनिवार 30 अगस्त को 893 अभ्यर्थी शामिल होंगे। मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ राज्य के सभी जिलो के अभ्यर्थियों के लिए अलग से दो दिन भर्ती रैली प्रक्रिया का आयोजन किया गया है। इसके अनुसार 31 अगस्त को 595 और सोमवार एक सितम्बर को 229 युवा भर्ती रैली प्रक्रिया में शामिल होंगे।

पश्चिम मध्य रेल

कार्यालय प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक

पत्र सं. बिक्री/1402/मु भं/डब्ल्यु सी आर ई-नीलामी/ प्रोग्राम/2025-26 दिनांक 20.08.2025

विषय-अक्टूबर, नवम्बर एवं दिसम्बर-2025 का ई-नीलामी कार्यक्रम। अक्टूबर, नवम्बर एवं दिसम्बर-2025 के दौरान विभिन्न लोकेशन में मौजूद रद्दी माल की ई-नीलामी कार्यक्रम निम्न प्रकार है।

नीलामी का स्थान	सडिपुका भोपाल	वैगन मरम्मत शॉपकोटा	जबलपुर मंडल	भोपाल मंडल	कोटा मंडल
संबंधित व्यक्ति	उप मुख्य साप्र/ भोपाल(0755-2747414	उप मुख्य सा. / कोटा (0744-2467082	व/मं.सा.प्र. जबलपुर(0761-2623491	व/मं.सा.प्र. भोपाल(0755-4001594)	व/मं.सा.प्र. कोटा(0744-2467006
नीलामी की तिथी अक्टूबर -2025	03.10.2025	06.10.2025	07.10.2025	08.10.2025	09.10.2025
	10.10.2025	13.10.2025	14.10.2025	15.10.2025	16.10.2025
	17.10.2025	21.10.2025	22.10.2025	23.10.2025	24.10.2025
	27.10.2025	28.10.2025	29.10.2025	30.10.2025	31.10.2025
नीलामी की तिथी नबम्बर -2025	01.11.2025	03.11.2025	04.11.2025	06.11.2025	07.11.2025
	10.11.2025	11.11.2025	12.11.2025	13.11.2025	14.11.2025
	17.11.2025	18.11.2025	19.11.2025	20.11.2025	21.11.2025
	24.11.2025	25.11.2025	26.11.2025	27.11.2025	28.11.2025
नीलामी की तिथी दिसम्बर -2025	01.12.2025	02.12.2025	03.12.2025	04.12.2025	05.12.2025
	08.12.2025	09.12.2025	10.12.2025	11.12.2025	12.12.2025
	15.12.2025	16.12.2025	17.12.2025	18.12.2025	19.12.2025
	22.12.2025	23.12.2025	24.12.2025	26.12.2025	29.12.2025

नीलामी आइटमः-अनुपयोगी रेल और अन्य पी-वे सामग्री, कार्यालय से जारी सभी अनुपयोगी कास्ट आयरन, अनुपयोगी रोलिंग स्टॉक, नॉन फेरस एवं नॉन मेटॉलिक स्क्रैप, टर्निंग और बोरिंग, प्रयुक्त तेल, पेंट ड्रम, अनुपयोगी मशीनरी प्लांट, अनुपयोगी वाहन, अनुपयोगी कार्यालय उपकरण, एमएस/जी आई पाइप, फाउड्री स्लैग और अन्य विविध स्क्रैप आदि। (हस्ता.)

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/बिक्री
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक/जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

सातवीं बार आर्मी पब्लिक स्कूल बना कूडो का ओवर आल चैंपियन

सागर। दोपहर मेट्रो

जिला कूडो संघ द्वारा 10 वीं जिला स्तरीय कूडो प्रतियोगिता का आयोजन आर्मी पब्लिक स्कूल सागर में किया गया। जिसमें सागर जिले के लगभग 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया । प्रतियोगिता में लगातार 7वी बार आर्मी पब्लिक स्कूल बना जिला स्तरीय कूडो प्रतियोगिता का ओवर आल चैंपियन दूसरे स्थान पर खेल परिसर सागर की टीम और तीसरे स्थान पर दीपक मेमोरियल अकादमी रही। कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि आर्मी स्कूल की प्राचार्या ज्योति दुबे ने बताया कि किस तरह कूडो खेल से ना केवल शारीरिक विकास हो रहा है बल्कि खेल कोटे में सरकारी नौकरी भी मिल रही हैं। कार्यक्रम में एडवोकेट वीनू राणा , संभागीय खेल अधिकारी प्रदीप अभिद्रा, संजय दादर,आयकर इंस्पेक्टर सोहिल खान, मध्यप्रदेश कूडो संघ के अध्यक्ष डॉ मोहम्मद ऐजाज़ खान कोषाध्यक्ष सहित स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

जिले के लगभग 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया

शिवपुरी सिंधिया मेडिकल कॉलेज का मामला

हाईकोर्ट का कॉलेज को आदेश विद्यार्थी के मूल दस्तावेज लौटाएं

आम समस्या है कि कई संस्थान प्रवेश के समय छात्रों के मूल दस्तावेजों को जमा कर लौटाते पर करते हैं आनाकानी। इससे विद्यार्थियों को लगाने पड़ते हैं कॉलेज के चक्कर

जबलपुर। एजेंसी

सिंधिया मेडिकल कॉलेज के छात्र डॉ. उमेश नागर ने हाईकोर्ट की शरण ली है। उनका कहना है कि उन्हें पीएचडी करने हेतु मूल दस्तावेज की आवश्यकता है, परन्तु संस्थान देने में आनाकानी कर रहा है। डॉ. नागर ने नीट पीजी 2024 के माध्यम से एमडी फिजियोलॉजी की सीट हासिल की थी, उन्हें इंग्लैंड की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल में पीएचडी करने का अवसर मिला है। पीएचडी कार्यक्रम एक अक्टूबर 2025 से शुरु होना है, लेकिन कॉलेज द्वारा मूल दस्तावेज और एनओसी नहीं दी जा रही ।

डॉ. नागर का कहना है कि वे अपने दस्तावेज और एनओसी सिर्फ सत्यापन के लिए चाहते हैं ताकि इंग्लैंड में पीएचडी के लिए वीज़ा और अन्य औपचारिकताएं पूरी की जा सकें। उन्होंने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि पी-एचडी की पढ़ाई (जिसकी अवधि 4 वर्ष है) पूरी होने के बाद वे भारत लौटकर एमडी की पढ़ाई जारी रखेंगे। इसके लिए वे हलफनामा देने को भी तैयार हैं। उनका कहना है कि अगर दस्तावेज समय पर नहीं मिले तो लिवरपूल विश्वविद्यालय में पी-एचडी का सुनहरा अवसर हाथ से निकल जाएगा।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आदित्य सांघी ने अदालत को बताया कि पूर्व में भी इसी तरह के कई मामलों में जबलपुर, इंदौर और ग्वालियर खंडपीठों ने छात्रों को उनके दस्तावेज एनओसी के साथ लौटाने का अंतरिम आदेश दिया है। राजस्थान और बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी समान आदेश पारित किए हैं। ग्वालियर हाईकोर्ट में जस्टिस आनंद पाठक और जस्टिस पुष्पेंद्र यादव की डिविजनल बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए आदेश पारित किया कि याचिकाकर्ता हलफनामा देंगे । साथ ही पूरा मामला अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा। यदि कोर्ट भविष्य में आदेश देता है, तो उसे बांड राशि (30 लाख रुपए) या दस्तावेज वापस करना होगा। फिलहाल शिवपुरी के सिंधिया मेडिकल कॉलेज को निर्देश दिया गया है कि 2 सितंबर 2025 से पहले डॉ. नागर को उनके सभी मूल दस्तावेज उचित पावती के साथ लौटा दिए जाएं। प्रतिवादी पक्ष को 10 दिन के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का भी समय दिया गया है। कोर्ट ने गत दिवस यह साफ किया गया कि यह आदेश केवल अंतरिम है और मामले की सुनवाई मेरिट के आधार पर होगी।

स्वदेशी, आत्मनिर्भर भारत और नशा मुक्ति को लेकर किया विमर्श

सिरोंज। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की तहसील स्तरीय प्रस्फुटन समितियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग एवं कार्यशाला नगर के लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में संपन्न हुई । कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर नगर का शैक्षिक वातावरण समाजसेवा और जनजागरण के स्वर से गूंजता रहा। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं समाजसेवी डॉ. माधवी माथुर, मुख्य वक्ता वरिष्ठ समाजसेवी चक्रेश श्रीवास्तव, संभाग समन्वयक वरुण आचार्य, जिला समन्वयक पूजा श्रीवास्तव, समाजसेवी पंकज श्रीवास्तव तथा ब्लॉक समन्वयक चरण सिंह दांगी मुख्य रूप से मौजूद रहे। मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी चक्रेश श्रीवास्तव ने स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत पर विस्तार से विचार रखे। वही मुख्य अतिथि डॉ. माधवी माथुर ने नशा मुक्ति, स्वदेशी उत्पादों के महत्व और संस्कार केंद्रों की स्थापना पर जोर दिया। इस अवसर पर इमलानी सेक्टर के नवांकुर प्रभारी अंकित पाठक ने स्वदेशी संकल्प का सामूहिक वाचन कराया। सभी उपस्थित जनों ने स्वदेशी अपनाने और समाजहित के कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

देवी अहिल्याबाई होलकर की पुण्यतिथि आज, नगर में निकलेगी पालकी यात्रा

इंदौर। पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर की 230वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आज इंदौर में विविध धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों की रूपरेखा देवी अहिल्या उत्सव समिति द्वारा तय की गई है। इस पुण्य स्मरण दिवस पर भानपुरा मठ के शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ विशेष रूप से इंदौर पहुंच रहे हैं। शाम को गांधी हॉल में आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में वे मुख्य अतिथि होंगे। उत्सव समिति की अध्यक्ष एवं पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन तथा पालकी यात्रा संयोजक एवं सांसद शंकर लालवानी ने जानकारी दी कि देवी कि पुण्यतिथि के अवसर पर दोपहर 3:30 बजे गांधी हॉल में सम्मान समारोह एवं पुरस्कार वितरण का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह के मुख्य अतिथि भानपुरा मठ के शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ होंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन करेंगी। शाम 5:30 बजे स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ और सुमित्रा महाजन देवी अहिल्याबाई की प्रतिमा को भव्य पालकी में विधिवत पूजन कर विराजित करेंगे। इसके बाद परंपरागत लाव-लश्कर के साथ ऐतिहासिक पालकी यात्रा निकाली जाएगी।

विधायक और महापौर ने सफाई कर्मचारी के पैर धोए, प्रमाणपत्र देकर किया सम्मानित

बुरहानपुर। दोपहर मेट्रो

सफाई मित्र सम्मान समारोह एवं क्षमतावर्धन कार्यशाला का आयोजन संजय नगर स्थित रेवा गुर्जर भवन में निगम द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विधायक अर्चना चिटनिस , कलेक्टर हर्ष सिंह,अखिल भारतीय राष्ट्रीय महापौर परिषद अध्यक्ष एवं नगर निगम महापौर माधुरी अतुल पटेल, नगर निगम अध्यक्ष अनीता अमर यादव , पूर्व महापौर अतुल पटेल, निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

निकाय स्तरीय सफाई कर्मचारियों के सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए विधायक अर्चना चिटनिस ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने साफ सफाई के संबंध में अवगत कराने के लिए क्लीन इंडिया स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया है। आम जनता इसका हिस्सा

बने। मोदी जी स्वच्छता मित्रों के चरण धोकर पूरे राष्ट्र को स्वच्छता का संदेश दिया था। उसी प्रकार नगर निगम बुरहानपुर के सफाई मित्र भाई बहनों को मंच पर विराजमान कर सम्मानित किया गया। अगर हम स्वच्छ नहीं रहेंगे तो स्वस्थ नहीं रहेंगे। इसलिए हम जहां रहते हैं, वहां की सफाई करनी चाहिए। साथ ही कोई गंदगी फैला रहा है तो हमें रोकना चाहिये। इससे स्वच्छता के साथ-साथ बीमारियों पर भी नियंत्रण होगा। आज हम सब सफाई मित्र सम्मान समारोह को कार्यक्रम में यह संकल्प लेकर जाएं कि आगामी 2025 में होने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण में नगर निगम बुरहानपुर प्रथम स्थान प्राप्त करें। नगर निगम के सभी सफाई कर्मचारियों को नगर निगम की ओर से स्टील की केटली दी गई जिसमें वह रोज दूध लें और प्लास्टिक पॉलिथीन का उपयोग न करें। शहर को चार हिस्सों में बांटकर हर वार्ड में प्रभारी अधिकारी बनाकर प्रतियोगिता होगी जिसमें जो अच्छा कार्य करेगा उसे सम्मानित भी किया जाएगा। आगे चलकर बुरहानपुर नगर निगम और जिला प्रशासन द्वारा स्कूल विभाग तथा महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को सूचित कर हर घर जाकर प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया जाएगा और लोगों को समझाइश दी जाएगी कि प्लास्टिक का उपयोग ना करे।

कल शहर को समर्पित होगा सबसे बड़ा ओवर ब्रिज

जबलपुर। प्रदेश का सबसे बड़ा माना जा रहा ओवर ब्रिज कल 23 अगस्त को जनता को समर्पित होगा। लोकार्पण की प्रारंभिक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इसका लोकार्पण करेंगे।जबलपुर के विकास कार्यों में यह नई सौगात होगी। जबलपुर का मदनमहल-दमोह नाका ओवर ब्रिज शुरू होने से यातायात की समस्या से भी काफी हद तक निजात मिलेगी।

सीएम यादव और केंद्रीय मंत्री गडकरी करेंगे लोकार्पण

स्वरोजगार हेतु सिलाई मशीन एवं शिक्षा के लिए 15 हजार की राशि का चेक

इटारसी। समर्पित एजुकेशन एंड वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार स्थापित करने हेतु सिलाई मशीन और अन्य संसाधन प्रदान किए गए। वहीं मेंसा आईक्यू एग्जाम की विजेता श्रेया साहू को उसकी स्कूल फीस हेतु 15 हज़ार रूपये का चेक प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला रहे। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो एवं भाजपा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष विजय चौरे विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संस्था के संचालक अजय मंजारिया एवं अमीना गोलंदाज ने बताया कि उनकी संस्था द्वारा निःशुल्क रोजगारमूलक प्रशिक्षण कराए जाते हैं तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार को बढ़ावा देने हेतु पशु, सिलाई मशीन और शैक्षणिक सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही सफल प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र भी वितरित किए जाते हैं। कार्यक्रम में संस्था के प्रबंधक शेख राशिद, अमजद गोलंदाज, इशरत बानो, शेख जिया, राजकुमार सोनिया, विजेता एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

आरके पैथोलॉजी लैब सील, गलत रिपोर्ट की शिकायत पर हुई कार्रवाई

सागर। दोपहर मेट्रो

बंडा के प्रभारी बीएमओ डॉ. प्रदीप सरवरिया ने जांच टीम के साथ सागर-बंडा रोड स्थित आरके पैथोलॉजी लैब की जांच कर उसे सील कर दिया।

ज्ञातव्य है कि बंडा के कांटी निवासी पीड़ित ब्रज सिंह लोधी की पुत्री ने आरके पैथोलॉजी लैब पर खून की जांच कराई थी, जहां जांच करने पर 19 हजार 500 प्लेटलेट्स काउंट प्राप्त हुए। रिपोर्ट में प्लेटलेट्स कम पाए जाने पर परिजनों ने संदेहवश सागर स्थित निजी सागर पैथोलॉजी लैब पर दोबारा जांच कराई, जहां रिपोर्ट प्लेटलेट्स काउंट 248000 आए। रिपोर्ट में गड़बड़ी सामने आने पर पीड़ित परिवार ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर संदीप जी.आर. ने सीएमएचओ को जांच टीम गठित करने के निर्देश दिए। जांच के बाद बंडा बीएमओ ने कार्रवाई करते हुए उक्त पैथोलॉजी लैब को सील कर दिया। जांच के दौरान माइक्रो पिपेट, रिकॉर्ड रजिस्टर, सैंपल वायल जब्त किए गए। हालांकि, जिस मशीन से मरीज की जांच की गई थी, वह मशीन संचालक द्वारा टेस्टिंग के लिए भोपाल भेज दी गई थी, जिसके कारण उसे जब्त नहीं किया जा सका। जांच में यह भी पाया गया कि लैब किसी भी डॉक्टर की निगरानी में संचालित नहीं की जा रही थी। जब्ती और पंचनामा की कार्रवाई के बाद लैब को सील किया गया।

ग्वालियर में लापरवाही पर 20 सफाई कर्मियों को किया बर्खास्त

ग्वालियर। सरकारी कामकाज में लापरवाही और उदासीनता बरतने वालों की अब खैर नहीं है। इसी क्रम में ग्वालियर नगर निगम में लापरवाही और कामचोरी करने वाले कर्मचारियों पर सख्ती की गई है। ग्वालियर नगर निगम के कमिश्नर संघ प्रिय ने पिछले कुछ दिनों में ही 20 कर्मचारियों को बर्खास्त किया है। कमिश्नर के अनुसार शहर को इंदौर की तरह स्वच्छता में अव्वल बनाने की कवायद की जा रही है जिसके कारण साफ सफाई व्यवस्था में लापरवाही बरत रहे कर्मचारियों पर ये कार्रवाई की गई है। इससे निगम कर्मचारियों में कड़ा मैसेज गया है, जिससे साफ सफाई के अलावा अन्य व्यवस्थाएं भी बेहतर होंगी। ग्वालियर में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन समेत साफ सफाई के अन्य विषयों पर कमिश्नर ने खासा ध्यान दिया है। इसका असर पिछले माह घोषित हुई स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 की रैंकिंग में भी दिखाई दिया। ग्वालियर इस सूची में 14वें स्थान पर आया जोकि पिछले साल की तुलना में 2 पायदान ऊपर रही।ग्वालियर नगर निगम कमिश्नर संघ प्रिय का कहना है कि शहर की सफाई व्यवस्था पर सबसे ज्यादा जोर दिया जा रहा है।

फिर सामने आई लचर व्यवस्था एंबुलेंस नहीं मिली, बस में ही प्रसव

पन्ना। दोपहर मेट्रो

जिले में लचर स्वास्थ्य व्यवस्था कि बानगी दिखाई दी जहां एंबुलेंस न मिलने पर एक गर्भवती महिला को बस से पन्ना लाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही महिला ने बस में ही बेटी को जन्म दे दिया। दरअसल, महिला को प्रसव पीड़ा होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज से जिला अस्पताल पन्ना रेफर किया गया था। बता दें निशा कुशवाहा निवासी सिमरिया बीरासन को प्रसव पीड़ा के चलते सिमरिया से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज में भर्ती कराया गया था। यहां पर डॉक्टर ने जिला अस्पताल पन्ना रेफर कर दिया। परिजनों ने एंबुलेंस 108 की मदद लेनी चाही। मगर घंटों बीत जाने के बाद भी मदद नहीं मिली। जिसके बाद पन्ना लौट रही बस में गर्भवती महिला को बैठाया गया।

ड्राइवर-कंडक्टर ने सूझबूझ दिखाते हुए तय किया जितनी जल्दी हो सकें महिला को अस्पताल पहुंचाया जाए। समय रहते महिला को अस्पताल के गेट तक पहुंचा दिया गया। सूचना के बाद अस्पताल से दो दाई पहुंची। जिसके बाद जच्चा-बच्चा को प्रसव कराकर अस्पताल ले गई। फिलहाल मां-बच्ची दोनों की हालत ठीक है।

26 अगस्त को जबलपुर से होगी कांग्रेस के अभियान की शुरुआत

जबलपुर। प्रदेश की जनता को उसके मतदान के अधिकार की सच्चाई के प्रति जागरूक करने वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान की शुरुआत 26 अगस्त को जबलपुर से होगी। इस अभियान का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी करेंगे। अभियान की रणनीति और कार्ययोजना तय करने के उद्देश्य से अग्रवाल बारात घर, जबलपुर में एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शहर के हृदयस्थल शहीद स्मारक, गोल बाजार में एकत्र होकर लोकतांत्रिक तरीके से जबलपुर कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा। कार्यक्रम का विस्तृत क्रम और आवश्यक दिशा-निर्देश समय-समय पर संगठन द्वारा जारी किए जाएंगे। बैठक में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि यह जनआंदोलन मताधिकार की गरिमा, पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए समर्पित है। शांतिपूर्ण, अनुशासित और कानूनसम्मत तरीके से जनता की आवाज़ प्रशासन तक पहुँचाना ही इसका मुख्य उद्देश्य है।

खदान संचालक कांग्रेस नेता को नोटिस

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने एक शिकायती आवेदन के आधार पर टिकुरिया मोहल्ला पन्ना निवासी कांग्रेस नेता श्रीकांत उर्फ पप्पू दीक्षित एवं डायमंड स्टोन क्रेशर के प्रोपराइटर को मध्य प्रदेश खनिज अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण निवारण नियय 2022 की धाराओं के उल्लंघन पर नियत प्रावधानों के तहत कार्यवाही के लिए नोटिस जारी किया है। इस संबंध आगामी एक सितम्बर को उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं, अन्यथा प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही की जाएगी। शिकायतकर्ता ने अपने आवेदन के माध्यम से अवगत कराया कि पप्पू उर्फ श्रीकांत दीक्षित की ग्राम बिलघाड़ी तहसील गुनौर की धुवयाई पत्थर खदान में स्वीकृत क्षेत्र से बाहर उत्खनन किया जा रहा है, जिसका संचालन रोककर नाप कराई जाए तो बड़ी रॉयल्टी बनेगी। इसके अतिरिक्त गुनौर में गिट्टी क्रेशर के लिए जहां से पत्थर निकाला जा रहा है, उसमें भी स्वीकृत क्षेत्र के बाहर खुदाई की जा रही है। जिला कलेक्टर द्वारा इस मामले में उप संचालक खनिज प्रशासन से जांच प्रतिवेदन लिया गया, जिसमें तथ्यों के आधार पर कई प्रकार की अनियमितताएं पाई गयीं।

मेट्रो एंकर 'माटी गणेश-सिद्ध गणेश' अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

अपनी माटी, अपने गणेश बनाने का लोगों ने लिया संकल्प

देवास। दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के आह्वान पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा 'माटी गणेश-सिद्ध गणेश' अभियान की प्रदेश व्यापक पहल की प्रारंभ की गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज में पर्यावरण के प्रति सजगता और चेतना को विस्तार देना है। जिससे जन भागीदारी के माध्यम से धार्मिक परंपराओं के साथ माटीकला को संरक्षण मिल सके। 'माटी गणेश-सिद्ध गणेश' अभियान के तहत विकासखंड देवास में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिला समन्वयक सचिन शिम्पी ने बताया कि जन अभियान परिषद द्वारा जिले के सभी विकासखण्डों में यह कार्यशाला आयोजित की जायेगी। कार्यशाला के माध्यम से सामाजिक

कार्यकर्ताओं को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे वे स्वयं की माटी और स्वयं के शुद्ध जल का प्रयोग करते हुए पवित्र माटी के गणेश का निर्माण कर सकें और आने वाली गणेश चतुर्थी में अपने घरों में बुद्धि और सिद्ध दाता गणेश की प्रतिमा की स्थापना कर सके।

अभियान के माध्यम से जन-जन में पर्यावरण की सुरक्षा, माटी के गणेश बनाने हेतु गांववासियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। अभियान के तहत इस बात के लिए भी प्रोत्साहित करेंगे कि वे अपने हाथ से बनाई हुई माटी के गणेश का विसर्जन भी अपने घर के ही आसपास जल स्रोत पर करें। प्लास्टर ऑफ पेरिस अथवा अन्य प्लास्टिक से बने हुए गणेश प्रतिमाओं का उपयोग न करें जिसमें केमिकल रंगों का प्रयोग किया गया है। क्योंकि विसर्जन के उपरांत यही केमिकल और प्लास्टिक हमारे जल स्रोतों को प्रदूषित करता है। परिणाम स्वरुप जल में रहने वाले जीव जंतुओं को इसका दुष्परिणाम भुगतना पड़ता है और उसे जल स्रोत का उपयोग करने वाले प्राणी भी इस जल प्रदूषण का शिकार होते हैं। ब्लॉक समन्वयक श्रीमती नीलम सोनी द्वारा उपस्थित सदस्यों को प्रकृति को साफ एवं स्वच्छ बनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यशाला में प्रो रशिम ठाकुर, डॉ विद्या माहेश्वरी, प्रोफेसर राजेश कटिया, जितेंद्र राजपूत, आदित्य दुबे, रिचा दुबे, आद्या दुबे, मानसी, साक्षी, हर्षिका, श्वेता, मयंक, सामाजिक संस्था, नगर समिति, कार्यकर्ता, नवांकुर सखियां, प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारी छात्र- छात्राएं उपस्थित थे अभियान के तहत मध्य प्रदेश के 313 विकासखंडों में जन अभियान परिषद के द्वारा कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षित कर माटी से स्वनिर्मित गणेश प्रतिमा की स्थापना का संकल्प जन जन तक पहुंचाएंगे।

बंडा की घटना

आकाशीय बिजली गिरने से एक मजदूर की मौत, दो झुलसे

सागर। दोपहर मेट्रो

सागर जिले वर्षा का दौर जारी है। बुधवार देर शाम बंडा में आकाशीय बिजली गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। दो मजदूर झुलस गए जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बंडा में तेज बारिश के बीच कृषि उपज मंडी परिसर में आकाशीय बिजली गिरी थी जिसकी चपेट में आने से मजदूर अंगद लोधी 40 की मौत हो गई। घटना में दो मजदूर जयराम व राजाबाबू झुलसे हैं जिन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अजिंक्य रहाणे ने छोड़ी मुंबई की कप्तानी

बताया - नए कैप्टन को तैयार करने का सही समय

नई दिल्ली , एजेंसी

मुंबई । दिग्गज बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने घरेलू क्रिकेट के अगले सीजन (2025-26) की शुरुआत से पहले मुंबई क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। रहाणे ने सोशल मीडिया के माध्यम से कप्तानी छोड़ने की घोषणा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रहाणे ने लिखा, मुंबई टीम की कप्तानी करना और चैंपियनशिप जीतना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात रही है। नया घरेलू सत्र शुरू होने वाला है। मेरा मानना है कि नए कप्तान को तैयार करने का सही समय है। इसलिए मैंने कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। रहाणे ने लिखा, मैं एक खिलाड़ी के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं। मुंबई क्रिकेट टीम के साथ अपनी यात्रा जारी रखूंगा ताकि हम और अधिक ट्रॉफी जीत सकें। आने वाले सीजन का बेसब्री से इंतजार है। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में मुंबई ने 2023-24 सीजन में रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता था। मुंबई रहाणे की कप्तानी में 2024-25 के रणजी सीजन में सेमीफाइनल तक पहुंची थी। मुंबई ने पिछले सीजन में सैयद

रहाणे का नाम दिग्गज क्रिकेटरों में शुमार

अजिंक्य रहाणे का नाम मुंबई क्रिकेट के दिग्गजों में शुमार है। वह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में मुंबई के लिए सर्वाधिक रन और शतक बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। पहले नंबर पर वसीम जाफर हैं। रहाणे ने 2007 से 2025 के बीच 76 मैचों की 124 पारियों में 19 शतक लगाते हुए 5,932 रन बनाए हैं। जाफर ने 1997 से लेकर 2015 के बीच 100 मैचों की 159 पारियों में 29 शतक लगाते हुए 8,178 रन बनाए हैं। घरेलू करियर में रहाणे ने अब तक 201 प्रथम श्रेणी मैचों की 340 पारियों में 45.16 की औसत से 14,000 रन, 192 लिस्ट ए मैचों की 187 पारियों में 39.84 की औसत से 6,853 रन और 284 टी20 मैचों की 267 पारियों में 29.92 की औसत से 7,242 रन बनाए हैं।

श्रीनगर में खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025 का भव्य आगाज

श्रीनगर। डल झील की शान, खेल से बढ़े पहचान थीम के तहत गुरुवार से खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025 की शुरुआत हो चुकी है। तीन दिवसीय फेस्टिवल 21-23 अगस्त के बीच चलेगा, जिसमें रोइंग, वाटर स्कीइंग, शिकारा रेस, ड्रैगन बोट रेस, कैनोइंग और कयाकिंग में ओपन-एज प्रतियोगिताएं खेली जाएंगी। इस फेस्टिवल में करीब 400 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025 का भव्य उद्घाटन समारोह 21 अगस्त को श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी) में हुआ, जिसमें केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। खिलाड़ियों और उनके कोच का मानना है कि श्रीनगर में इस तरह का आयोजन यहां के युवाओं के जीवन में बदलाव लाएगा।

महिला एशिया कप हॉकी

20 सदस्यीय जंबो टीम की अगुवाई करेंगी सलीमा टेटे

नई दिल्ली , एजेंसी

चीन में होने वाले महिला हॉकी एशिया कप के लिए हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। 20 सदस्यीय टीम की कमान सलीमा टेटे को सौंपी गई है। टूर्नामेंट चीन के हांग्जो में 5 से 14 सितंबर तक आयोजित होगा। टूर्नामेंट के लिए चुनी गई टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संयोजन है।

गोलकीपर के रूप में बंसरी सोलंकी और बिचु देवी खारीबाम को जगह दी गई है। डिफेंस में निक्की प्रधान और उदिता जैसी अनुभवी खिलाड़ियों के साथ मनीषा चैहान, ज्योति, सुमन देवी थौदम और इशिका चैधरी जैसी युवाओं को मौका दिया गया है। मिडफील्ड में नेहा, सलीमा टेटे, लालरेम सियामी, शर्मिला देवी, सुनीता टोप्पो और वैष्णवी विट्ठल फाल्के जैसे खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। वहीं, बतौर फॉरवर्ड नवनीत कौर, संगीता कुमारी, मुमताज खान, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग और रुतजा दादासो पिसल को जगह दी गई है।

टीम कड़ी मेहनत से ले रही प्रशिक्षण

मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, हांग्जो में होने वाले महिला एशिया कप के लिए चुनी गई टीम को लेकर हम उत्साहित हैं। हमने अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं के बीच सही संतुलन बनाने की कोशिश की है। टीम कड़ी मेहनत से प्रशिक्षण ले रही है। हमारा ध्यान आक्रामक और अनुशासित हॉकी खेलने पर होगा, और हमारा मानना है कि यह टीम एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ मजबूती से मुकाबला करने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा, महिला एशिया कप न केवल एक प्रतिष्ठित महाद्वीपीय चैंपियनशिप है, बल्कि 2026 एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के लिए एक सीधा क्वालीफाइंग इवेंट है।

पाकिस्तान संग मैचों पर भारत सरकार का बड़ा ऐलान

नहीं खेले जाएंगे द्विपक्षीय मुकाबले एशिया कप को मिला ग्रीन सिग्नल

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत-पाकिस्तान के बीच खेलों पर केंद्र सरकार की ओर से बड़ा ऐलान हुआ है। भारत सरकार ने साफ किया है कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी और पाकिस्तान की टीम को भी भारत आने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

वहीं एशिया कप और आईसीसी टूर्नामेंट जैसे मल्टीनेशन टूर्नामेंट का आयोजन अलग माना जाएगा। इनमें भारत भाग ले सकता है, बशर्ते वे किसी न्यूट्रल वेन्यू पर आयोजित हों। खेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारत की नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है और पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट संबंध बहाल करने का सवाल ही नहीं उठता। लेकिन चूंकि एशिया कप एक मल्टीनेशन टूर्नामेंट है, ऐसे में टीम इंडिया इसमें खेलने उतरेगी। इस फैसले के बाद यह साफ हो गया है कि भारत-पाकिस्तान भिड़ंत केवल एशिया कप या आईसीसी टूर्नामेंट जैसे मंचों पर ही देखने को मिलेगी। इस अधिकारी ने कहा- भारतीय टीमें और खिलाड़ी उन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में हिस्सा लेंगे, जिनमें पाकिस्तान की टीमें या खिलाड़ी भी शामिल होंगे उसी तरह, भारत में होने वाले मल्टीनेशन टूर्नामेंटों में पाकिस्तान की टीमों और खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति मिलेगी।

भारत और पाकिस्तान कब से नहीं खेले द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज

भारत और पाकिस्तान ने 2012-13 सीजन के बाद से कोई द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज नहीं खेली है। तब से दोनों देशों की पुरुष और महिला टीमें सिर्फ मल्टीनेशन टूर्नामेंट और मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट में ही आमने-सामने हुई हैं। भारत ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए 2023 में पाकिस्तान में होने वाले एशिया कप और 2025 में होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी में जाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद ये टूर्नामेंट तटस्थ स्थलों पर आयोजित किए गए। हाल ही में पाकिस्तान की हॉकी टीम ने भी भारत यात्रा करने से इनकार कर दिया, जबकि एशिया कप हॉकी 28 सितंबर से राजगीर में शुरू होना है। इसी बीच कई पूर्व भारतीय क्रिकेटरों समेत अलग-अलग आवाजे उठ रही हैं कि भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान के खिलाफ अपना एशिया कप मैच नहीं खेलना चाहिए। यह मांग पहलगाम आतंकी हमले के बाद तेज हुई, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। इस हमले के बाद भारत ने सीमा पार आतंकी ढांचे को ध्वस्त करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया।

कब है भारत पाक का एशिया कप में मैच

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को भिड़ंत होगी। वहीं फाइनल मैच 29 सितंबर को होगा। यह टूर्नामेंट टी20 इंटरनेशनल फॉर्मेट में खेला जाएगा। वहीं टूर्नामेंट की शुरूआत 9 सितंबर से हो रही है। वैसे भारत और पाकिस्तान की एशिया कप में भिड़ंत 3 बार हो सकती है।

भारत की इंटरनेशनल स्पोर्ट्स के लिए पॉलिसी

भारत की इंटरनेशनल स्पोर्ट्स के लिए पॉलिसी में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि देश अब अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए एक भरोसेमंद स्थल के रूप में उभर रहा है। इसके तहत खिलाड़ियों, टीम अधिकारियों, टेक्निकल कर्मचारियों और अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों के पदाधिकारियों के लिए वीजा प्रक्रिया आसान बनाई जाएगी। भारत को अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन कराने के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाने के उद्देश्य से इन सभी वर्गों के लिए वीजा प्रक्रिया सरल होगी। खास तौर पर, इन संगठनों के पदाधिकारियों को उनकी आधिकारिक अवधि के दौरान प्राथमिकता के आधार पर मल्टी-एंट्री वीजा दिया जाएगा, जिसकी अधिकतम अवधि पांच वर्ष होगी। इससे उन्हें भारत में प्रवेश और देश के भीतर सुचारू रूप से आवाजाही करने में सुविधा होगी, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। इसी स्पोर्ट्स पॉलिसी के अनुसार, भारतीय टीमें और खिलाड़ी उन अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में हिस्सा लेंगे जिनमें पाकिस्तान की टीमें या खिलाड़ी भी शामिल होंगे। उसी तरह, भारत में आयोजित मल्टीनेशन टूर्नामेंट में पाकिस्तान की टीमें और खिलाड़ी भी भाग ले सकेंगे।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

सॉन्ग्स ऑफ पैराडाइज' की रिलीज डेट फाइनल

दिखेगी कश्मीर की पहली प्लेबैक सिंगर की कहानी

फिल्म 'सॉन्ग्स ऑफ पैराडाइज' के प्रीमियर की घोषणा हो गई है। यह फिल्म पद्मश्री पुरस्कार विजेता राज बेगम के सफर पर आधारित है। इसे 29 अगस्त को प्राइम वीडियो पर रिलीज किया जाएगा। एक्सेल एंटरटेनमेंट, एप्पल ट्री पिक्चर्स प्रोडक्शन, और रेन्ज फिल्म्स प्रोडक्शन के प्रोडक्शन में इस फिल्म को बनाया गया है। फिल्म में कश्मीर की पहली मशहूर प्लेबैक सिंगर राज बेगम की स्टोरी दिखाई जाएगी।

इस फिल्म में ऋतिक रोशन की खास दोस्त सबा आजाद और सोनी राजदान मुख्य भूमिका में (राज बेगम के रूप में दो अलग-अलग समयों में) नजर आएंगी। उनके अलावा जैन खान दुर्रानी, शीबा चड्ढा, तारक रैना और लिलेट दुबे भी इस फिल्म में हैं। कश्मीर और घाटी की खूबसूरती के साथ मूवी में हिम्मत, पहचान और साहस को भी दिखाया जाएगा। इसे दानिश रेन्जू ने डायरेक्ट किया है। उन्होंने ही इस फिल्म की कहानी लिखी है। इसे शेयर करते हुए मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ष्कश्मीर की गूंज से, एक अविस्मरणीय आवाज उठती है। 'सॉन्ग्स ऑफ पैराडाइज' 29 अगस्त को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म के डायरेक्टर और राइटर दानिश रेन्जू ने कहा, फिल्म सॉन्ग्स ऑफ पैराडाइज, पद्म श्री विजेता राज बेगम को एक दिल से दी गई श्रद्धांजलि है। वह रेडियो कश्मीर पर गाने वाली पहली महिला थीं।

मेट्रो बाजार

उत्पादों के लिए केवल अमेरिका पर निर्भर रहने के बजाय की जाए वैकल्पिक बाजारों की पहचान

नई दिल्ली। अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को लेकर एपीसीसीआईएफ के अध्यक्ष पोटलुरी भास्कर राव ने गुरुवार को कहा कि जलीय उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण, चावल जैसी कृषि वस्तुएं, हथकरघा, हस्तशिल्प और ऑटो कंपोनेंट जैसे सेक्टर हमारे राज्य में सबसे अधिक प्रभावित हैं। राव ने कहा, हम राज्य और केंद्र दोनों सरकारों से अनुरोध करते हैं कि ब्याज अनुदान योजना के लिए पैरवी करें और इन उद्योगों को अतिरिक्त कार्यशील पूंजी सीमा प्रदान करें। साथ ही, इन उत्पादों के लिए केवल अमेरिका पर निर्भर रहने के बजाय वैकल्पिक बाजारों की पहचान करें। उन्होंने कई देशों के साथ हस्ताक्षरित विभिन्न मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के तहत निर्यात की संभावनाएं तलाशे जाने की जरूरत पर जोर दिया ताकि इन उत्पादों को तुरंत उन बाजारों में भेजा जा सके और उद्योग जीवित रह सकें। उन्होंने वर्तमान वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच एमएसएमई क्षेत्र को लेकर चिंता व्यक्त की। राव ने जानकारी देते हुए बताया, आज, हमने राज्य सरकार से जुड़ी वर्तमान समस्याओं और राज्य के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को समझने के लिए बैठक की। राज्य स्तर पर, हमने सर्वसम्मति से राज्य सरकार से अनुरोध किया है कि वह पिछले पांच-छह वर्षों से विभिन्न क्षेत्रों के लिए पेंडिंग लगभग 5,000 करोड़ की राशि के सभी पेंडिंग प्रोत्साहनों को तुरंत जारी करे।

भारत की ग्रोथ स्टोरी मजबूत, पूंजीगत बाजारों का आकार 5 ट्रिलियन डॉलर पर

मुंबई । निवेश एवं लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव अरुणीश चावला ने कहा कि भारत के पूंजी बाजार पिछले महीने 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े तक पहुंच गए हैं और जुलाई में देश में डीमैट खातों की संख्या 20 करोड़ को पार कर गई है। उन्होंने आगे कहा कि यह भारत की ग्रोथ स्टोरी की मजबूत तस्वीर को दिखाता है और सरकार एवं निजी क्षेत्र के बीच एक ताकतवर साझेदारी को दर्शाता है।

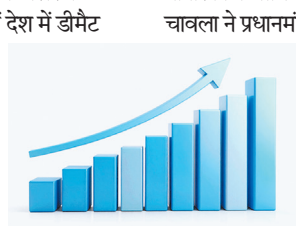

देश की आर्थिक राजधानी में फिक्की के वार्षिक पूंजी बाजार सम्मेलन (सीएपीएएम 2025) के 22वें संस्करण में बोलते हुए चावला ने कहा कि सरकार ने पूंजी बाजारों को एकीकृत तरीके से मजबूत करने के लिए एक समग्र विकास और परिसंपत्ति प्रबंधन रणनीति विकसित की है। उन्होंने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक उद्यमों द्वारा सृजित मूल्य को परिवारों और अल्पसंख्यक शेयरधारकों सहित सभी नागरिकों के साथ समान रूप से साझा किया जाए। चावला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला और इसे प्राप्त करने में पूंजी बाजार की भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, हमारी अर्थव्यवस्था सार्वजनिक और निजी दोनों उद्यमों के साथ मिलकर काम करते हुए आगे बढ़ रही है। निवेशकों की मजबूत भागीदारी गति बढ़ाने में मदद कर रही है। परिसंपत्ति मुद्रीकरण कार्यक्रम के बारे में, चावला ने कहा कि इसे साल-दर-साल के बजाय पांच साल की रणनीति के रूप में योजनाबद्ध किया गया है। चालू वित्त वर्ष के लिए, लक्ष्य 47,000 करोड़ रुपए निर्धारित किया गया है।

अभिनेत्री सोहा अली खान इन दिनों ऑल अबाउट हर को लेकर चर्चा में है। इस पॉडकास्ट शो में वो नामचीन शख्सियतों से तो रूबरू होंगी ही, साथ ही अपने कुछ रोचक किस्से भी सुनाएंगी। ऐसे किस्से जो एक महिला की कमजोरी और ताकत दोनों को बयां करते हैं, जैसे रंग दे बसंती का पानी में कूदने वाला सीन!

जब सोहा अली खान ने डरते हुए पानी में लगाई थी छलांग

रंग दे बसंती के उस सीन को बताया खौफनाक

अभिनेत्री ने हाल ही में शो के प्रमोशन के दौरान आईएएनएस से बातचीत की, जिसमें सोहा ने बताया कि उन्हें गाना रंग दे बसंती में पानी में कूदने वाले सीन को शूट करते वक्त बेहद डर लग रहा था। वह और भी ज्यादा डर गईं थीं, जब उन्हें पता चला कि वे टीम की पहली ऐसी सदस्य होंगी जो बिना किसी हार्नेस के यह स्टंट करेंगी।

अभिनेत्री ने बताया, फिल्म रंग दे बसंती की शूटिंग में लगभग एक साल लगा था, क्योंकि हम राजस्थान, पंजाब, दिल्ली और मुंबई जैसे कई शहरों में गए। शूटिंग के दौरान हमें पूरे देश में घूमने का मौका मिला। इस दौरान पूरी टीम, कलाकारों और किरदारों के साथ एक गहरा रिश्ता बन गया था। यह हमारे लिए सिर्फ फिल्म नहीं बल्कि एक अनुभव था, और दर्शकों ने भी इसे खूब प्यार भी दिया था। इसके बाद उन्होंने उस खास सीन के बारे में बताया जो मस्ती की पाठशाला गाने पर फिल्माया गया था। सोहा ने कहा, यह सीन जयपुर के पास एक किला है, वहीं शूट हुआ था। जब शूटिंग हो रही थी तो सबको समझ आ गया था कि मुझे ऊंचाई से कूदने में डर लग रहा है। उन्होंने मुझसे कहा था कि इसमें कोई हार्नेस (सुरक्षा बेल्ट) नहीं है। मैं उन दिनों फिल्म इंडस्ट्री में नई थी, तो मुझे नहीं पता था कि कूदते समय ग्रैविटी की स्पीड से नहीं कूदना होता और ये सब कोई समझाता भी नहीं था। मैं अंदर से डर रही थी, लेकिन ऊपर से जोश में थी कि अगर सब कर रहे हैं तो मैं भी करूंगी। उन्होंने आगे कहा, वो पानी भी शायद साफ नहीं थी, फिर हमारे डायरेक्टर राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने कहा कि सोहा को सबसे पहले कूदना होगा, क्योंकि वो भी लड़कों की तरह है। फिर मैंने भी कहा, ठीक है, करूंगी। लेकिन जब मैं किले की ऊंचाई पर पहुंची, तो डर के मारे मैं मना करने लगी।

बस ड्राइवर कंडक्टर सहित कचरा वाहन में सवार नगर निगम के कर्मचारी घायल, काउंटर मामला दर्ज

बस और नगर निगम के कचरा वाहन में भिड़ंत

भोपाल, दोहपर मेट्रो

खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित भैंसाखेड़ी चिरायू अस्पताल के सामने कॉलेज बस और नगर निगम के कचरा वाहन में आमने सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे के समय बस में मेडिकल के छात्र मौजूद थे। हालांकि हादसे में उन्हें चोट नहीं आई है, लेकिन बस में सवार ड्राइवर और कंडक्टर को मामूली चोट है। इसी प्रकार कचरा वाहन में सवार ड्राइवर, महिलाकर्मी सहित तीन कर्मचारियों को चोट आई है। पुलिस ने काउंटर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार राहुल मालवीय पिता सुरज सिंह मालवीय (30) पचामा, थाना कोतवाली, सीहोर में रहता है और चिरायु कालेज की बस चलाता है। उसने पुलिस को बताया कि गुरुवार सुबह करीब 9 बजे वह कालेज के छात्रों को ओल्ड चिरायु अस्पताल मानीपुरा भोपाल छोड़ने के लिए निकला था। चिरायु अस्पताल के गेट के पास मुख्य सड़क पर पहुंचते ही हाईवे पर सीहोर की तरफ से आ रही नगर निगम की कचरा गाड़ी के चालक चालक ने गाड़ी को काफी तेजी व लापरवाही पूर्वक चलाकर बस में सामने से दाहिनी तरफ टक्कर मार दी। इससे बस का सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में उन्हें नाक व माथे पर चोट आई है, जबकि कंडक्टर को बांए हाथ पर चोट आई है। इसी प्रकार रवि बग्गन (40) सीटीओ बैरागढ़ में रहता है और नगर निगम भोपाल की कचरा गाड़ी चलाता है। गुरुवार सुबह वह कचरा गाडी लेकर भौरी से बैरागढ़ कचरा खाली करने के लिए जा रहा था। गाड़ी में दो अन्य लेवर संतोष एवं सोनीबाई बैठी थी। साथ थी जैसे ही मेरी गाडी लेकर चिरायु अस्पताल भैसाखेड़ी के सामने पहुंचा तो चिरायु अस्पताल के अंदर से कॉलेज की बस के चालक ने तेजी और लापरवाही पूर्वक बस चलाते कचरा गाड़ी में बाएं तरफ से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मुझे सीने व बाये पैर में चोट आई है एवं लेवर संतोष को सीने में व बाएं पैर में चोट आई है एवं सोनी बाई को सिर व दाहिने हाथ व दाहिने पैर के घुटने में चोट आई है। गाड़ी का सामने का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

बगैर रेलिंग वाली छत से गिरकर हुई थी युवक की मौत

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बिलखिरिया इलाके में छत से गिरकर हुई एक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने मकान मालिक के खिलाफ सुरक्षा में लापरवाही का मामला दर्ज किया है। मर्ग जांच के दौरान पता चला कि छत पर सुरक्षा के लिए रैलिंग नहीं होने के कारण युवक की मौत हुई थी। जानकारी के अनुसार कुलदीप सिलावट (30) कोतवाली जिला विदिशा का रहने वाला था। फिलहाल वह ट्रांसपोर्ट नगर स्थित विशाल शर्मा की बिल्डिंग में रहता था और वहीं पर काम करता था। बीती 29 जून की रात कुलदीप ने अंदर के मकान का दरवाजा बंद किया और पहली मंजिल स्थित छत पर जाकर सो गया। अगले दिन सुबह उसका दोस्त सोनू कुशवाह उसे काम पर चलने के लिए बुलाने पहुंचा तो दरवाजा भीतर से बंद मिला, लेकिन कुलदीप बिल्डिंग के नीचे ट्रांसपोर्ट नगर में मृत हालत में पड़ा मिला। मर्ग जांच के दौरान पता चला कि कुलदीप जिस बिल्डिंग में रहता था, उसकी छत पर सुरक्षा के लिए रैलिंग नहीं लगाई गई थी, जिसके कारण वह रात के समय छत से नीचे गिर गया था। इस पर पुलिस ने मकान मालिक के खिलाफ सुरक्षा में लापरवाही का मामला दर्ज कर लिया है।

बस की टक्कर से स्कूटर सवार युवक घायल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

सूखी सेवनिया इलाके में एक तेज रफ्तार बस ने सामने से आ रही स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे स्कूटर सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। घायल के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है। जानकारी के अनुसार सूखी सेवनिया में रहने वाले सलीम भाई क्रेन का काम करते हैं। गुरुवार की शाम को वह अपने दोस्त के साथ कार से साईड पर जा रहे थे। उनके आगे एक स्कूटर सवार युवक भोपाल की तरफ जा रहा था। इसी दौरान भोपाल से विदिशा की तरफ जा रही यात्री बस ने कार के आगे चल रही स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे स्कूटर सवार के सिर-पैर और शरीर में गंभीर चोट आई। सलीम ने उससे पूछताछ की घायल ने अपना नाम पुनीत बताया। उसके बाद एम्बुलेंस की मदद से घायल को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने टक्कर मारने वाले बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। घायल युवक का इलाज चल रहा है।

कार चुराने के बाद दिल्ली ले जाकर चोर ने खोल लिए थे पार्ट्स

कोर्ट के सामने से वकील की ऑडी चोरी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

एमपी नगर थाना क्षेत्र स्थित कोर्ट परिसर से वकील की ओडी कार चुराने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ओडी कार चुराने के बाद चोर उसे दिल्ली तक ले गया। मायापुरी में रहने वाले चोर ने ओडी कार का इंजन खोल लिया था और उसके पार्ट्स बेचने की फिराक में था। इससे पूर्व ही एमपी नगर पुलिस ने उसे दबोच लिया। ओडी कार का इंजन खुलने के कारण उसे लगेज कर भोपाल लाना पड़ा। पुलिस को चोर ने बताया कि उसने भोपाल के एक चोर के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। अब पुलिस भोपाल में रहने वाले चोर की तलाश कर रही है।

एसआई कुलदीप खरे ने बताया कि रविकांत त्रिपाठी जिला न्यायालय में वकालत करते हैं। उन्होंने गत 23 जुलाई को शिकायत करते हुए बताया कि कोर्ट परिसर उनकी ओडी कार अज्ञात व्यक्ति ने चुरा ली है। ओडी कार में सेफ्टी फीचर अधिक होने के कारण कार चोरी की बात पुलिस के गले नहीं उतरी।

पुलिस ने कोर्ट परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक किए तो चोरी होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश की।

लगेज कर लानी पड़ी कार : एसआई खरे ने बताया कि ओडी कार का इंजन खुलने के कारण वह स्टार्ट नहीं हो सकी। लिहाजा पुलिस को कार लगेज के माध्यम से भोपाल लानी पड़ी। पुलिस भोपाल में रहने वाले उस चोर की तलाश कर रही है, जिसने रोशन अहिरवार की कार चोरी करने में मदद की थी।

टोल टैक्स के मैसेज से पकड़ाया चोर

पुलिस ने बताया कि टोल्स टैक्स के सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए। इस दौरान ओडी नजर आई। टोल टैक्स पर पूछताछ में पता चला कि टोल जिस नंबर से कटा है वह नंबर मायापुरी दिल्ली का है। दरअसल, आरोपी ने फास्टैग अपने नंबर पर एक्टिव कराकर रिचार्ज करा लिया था। आरोपी का नंबर मिलने के बाद पुलिस ने अन्य टोल टैक्स के सीसीटीवी कैमरे चेक किए। सैकड़ो सीसीटीवी फुटेज चेक करने के बाद पुलिस दिल्लीप पहुंची और वहां से रोशन अहिरवार पिता हरि अहिरवार (25) को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी ने ओडी कार का इंजन खोल लिया था और उसके पार्ट्स बेचने की फिराक में था। चोरी गई कार की कीमत 17 लाख रुपए बताई जा रही है।

थार और मारुति स्विफ्ट कार में शराब की तस्करी

तीन गिरफ्तार, 15 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त

भोपाल, दोहपर मेट्रो

रातीबड़ पुलिस ने थार और मारुति स्विफ्ट कार में शराब की तस्करी करने वाले तीन शराब तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 15 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त की है। पुलिस ने तस्करों से शराब के अलावा तस्करी में इस्तेमाल थार और मारुति स्विफ्ट कार जब्त की है। तस्करों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर शराब के बारे में पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि हुई कि तीन युवक महिन्द्र थार व मारुति स्विफ्ट कार से अवैध शराब लेकर नीलबड़ की तरफ जा रहे हैं। सूचना के बाद हरकत में आई पुलिस ने स्टेट डेयरी के पास चेकिंग पाइंट लगाया। इस दौरान महिन्द्र थार और मारुति स्विफ्ट कार आते हुए नजर आई। दोनों कारों को रोका गया। तलाशी लेने पर थार में अंग्रेजी शराब रायल चैलेंज की चार पेटी और बेगपाइपर की दो पेटी, एमडी की दो पेटी, ऑफीसर च्वाईस की पांच पेटी सहित 135 लीटर अंग्रेजी शराब मिली। थार चला रहे युवक ने अपना नाम शुभम जैन एवं पास वाली सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम आयूष अग्रवाल बताया। स्विफ्ट कार के चालक से नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम शुभम सोनकार बताया। आरोपियों से शराब परिवहन करने का लायसेंस पूछा गया, लेकिन वह कोई भी दस्तावेज नहीं दिखा सके। पुलिस ने बताया कि आरोपी शुभम सोनकर तिलकनगर इटारसी, होशंगाबाद, आयुष अग्रवाल, गांधीनगर इटारसी और शुभम जैन निवासी गांधी नगर इटारसी जिला होशंगाबाद के रहने वाले हैं।

पुलिस को और अधिक संवेदनशील होने की जरूरत

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मानव दुर्व्यापार अपराध की रोकथाम विषय पर कार्यशाला

महिला सुरक्षा शाखा गुरुवार को मानव दुर्व्यापार अपराध की रोकथाम हेतु एक दिवसीय राज्यस्तरीय (ऑनलाइन) कार्यशाला का आयोजन पुलिस मुख्यालय में किया गया। उक्त कार्यशाालामें मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले के मानव दुर्व्यापार निरोधी इकाई (एएचटीयू) के नोडल अधिकारी (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक), उप पुलिस अधीक्षक (महिला सुरक्षा), महिला थाना प्रभारी सहित प्रत्येक जिले से निरीक्षक से उप निरीक्षक स्तर के कुल 20-20 पुलिस अधिकारी ऑनलाईन कार्यशाला में सम्मिलित हुए, जबकि भोपाल नगरीय पुलिस के अधिकारी कार्यशाला में उपस्थित होकर सम्मिलित हुए।

कार्यशाला में विशेष पुलिस महानिदेशक महिला सुरक्षा अनिल कुमार ने कहा कि मानव दुर्व्यापार विषय को लेकर हमें और अधिक संवेदनशील होने की आवश्यकता है। मानव दुर्व्यापार अपराध नहीं पाप है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में पुलिस ने कई सराहनीय कार्य किये हैं। गुना जिले से 16 बंधुआ मजदूरों को रेस्क्यू किया गया। रीवा जिले में ऑपरेशन नन्हा बचपन के अंतर्गत 6 माह के बच्चे को बचाया गया, जिसमें सड़क किनारे परिवार के साथ सो रहे बच्चे को आरोपियों द्वारा अपहरण कर कल्याण मुंबई में पहले 8 लाख रूपये में बेचा गया, इसके पश्चात बच्चे को 29 लाख में रायगढ़ मुंबई में पुन-बेचा गया था। कार्यशाला में सम्मिलित पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि विधिक प्रावधानों के अनुसार मानव दुर्व्यापार से संबंधित अपराधों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रभावी अभियोग पत्र तैयार किये जावें। साथ ही यह भी कहा कि जो पुलिस अधिकारी मानव दुर्व्यापार व बंधुआ मजदूरी की रोकथाम में उत्कृष्ट कार्य करेंगे, उन्हें विभाग द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यशाला में अंर्तराष्ट्रीय न्याय मिशन (आईजेएम) से अधिवक्ता रेनिता द्वारा मानव दुर्व्यापार की प्रवृतियों, प्रसार एवं मानव दुर्व्यापार के विभिन्न स्वरूप एवं इसे रोकने में पुलिस की भूमिका पर वक्तव्य दिया। उन्होंने अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम, 1956 एवं बन्धित श्रम पद्धति (उत्सादन) अधिनियम 1976 के प्रावधानों से भी अवगत कराया, साथ ही उन्होंने पुलिस की सक्रिय भूमिका पर प्रकाश डालते हुये कहा कि पीड़ित की पहचान, बचाव, पुनर्वास एवं दोषियों के विरूद्ध त्वरित कार्यवाही मानव दुर्व्यापार पर नियंत्रण के लिये अत्यंत आवश्यक है।

मेट्रो एंकर करोंद चौराहे पर शनिवार को वृहद मटकी फोड़ स्पर्धा व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

मटकी फोड़ प्रतियोगिता के दौरान परिवर्तित रहेगा यातायात, बड़े वाहनों का एक दिन पहले से प्रवेश बंद

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शनिवार 23 अगस्त को करोंद चौराहे पर वृहद मटकी फोड़ प्रतियोगिता के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में धर्मावलंबी एकत्रित होने का अनुमान है। कार्यक्रम स्थल करोंद चौराहा मुख्य मार्ग पर होने और मुख्य मार्ग पर मंच होने के कारण शुक्रवार 22 अगस्त से करोंद चौराहे से गांधी नगर तक भारी मालयान व बड़े यात्री वाहनों का आवागमन पूरी तरह परिवर्तित रहेगा। इस दौरान मिनॉल रेसीडेंसी व अयोध्या नगर की ओर से एयरपोर्ट और गांधी नगर की ओर जाने वाले बड़े वाहन भानपुर रोटरी से बेस्ट प्राइज करोंद की ओर परिवर्तित मार्ग से जा सकेंगे। ये वाहन भानपुर रोटरी से विदिशा रोड, चौपड़ा कला गांव, चौपड़ा बायपास, लांबाखेड़ा बायपास, मीना चौराहा व अब्बास नगर होकर गांधी नगर अथवा एयरपोर्ट की ओर आ-जा सकेंगे।

कार की टक्कर से डेढ़ साल के मासूम की मौत

भोपाल, दोहपर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। नील बड़ स्क्वायर के पास तेज रफ्तार कार ने एक एक्टिवा स्कूटर को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में डेढ़ साल के मासूम बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हार्डवेयर व्यापारी सोयब अंसारी की पत्नी तैयबा अंसारी अपने पिता शेरू खान और बेटे अली के साथ एक्टिवा से जा रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही अली मां की गोद से गिर गया और कार का पहिया उसके ऊपर से निकल गया। इससे बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में तैयबा और उनके पिता शेरू खान भी घायल हो गए। पुलिस ने कार जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया है। वहीं बच्चे का शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

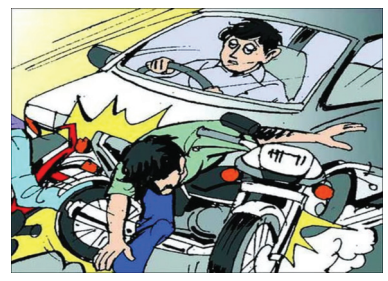

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022